दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

मेंढकी के बच्चे ने की.....

बनो अच्छे कम्युनिकेटर जीतो सबका दिल

वर्ष : 12 | अंक : 204 | लखनऊ, 18 जुलाई, शनिवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

खबर संक्षेप

यूपी में पांच आईपीएस अधिकारियों के तबादले

लखनऊ। यूपी सरकार ने पांच आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। रामपुर,ललितपुर, लखनऊ समेत कई पदों पर नई तैनाती की गई है। आईपीएस अनिल कुमार सिंह को पुलिस अधीक्षक, सुरक्षा मुख्यालय लखनऊ से पुलिस अधीक्षक, रामपुर, वहीं गोपाल कृष्ण चौधरी को पुलिस उपायुक्त, पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ से सेनानायक, 32वीं वाहिनी पीएसी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

उर्दू देसी, संस्कृत बाहरी जुबान; बयान पर खलबली

किशनगंज। कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद के बयान से बिहार समेत देश भर में सियासी खलबली मच गई है। भाजपा, जदयू ने कांग्रेस पर करारा हमला बोला है तो राजद ने सांसद की निजी राय बताकर किनारा कर लिया है। हिंदू और मुस्लिम धर्मगुरुओं ने भी बयान के विवादास्पद और नफ़रती बताया है। जब-जब चुनावी दौर चलता है, नेताओं के जुबान से ऐसे बयान आते हैं ।

हाथ पकड़ने से लज्जा भंग नहीं होती

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने एक फैसले में कहा है कि केवल शादी का प्रस्ताव देना व कुछ समय लड़की के साथ बिना किसी अश्लील या गलत मंशा के एक-दो दिन जाना भी उसे आगवा करने का अपराध नहीं माना जा सकता। अदालत ने कहा कि आईपीसी की धारा 354 लगाए जाने के लिए यह साबित करना जरूरी है कि आरोपी की मंशा महिला की गरिमा भंग करने की थी।

टिकट न मिलने पर भी देना होगा मुआवजा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसले में कहा है कि ट्रेन हादसे में मृत यात्री के पास टिकट न मिलना, उसके परिवार को मुआवजा देने से इनकार करने का आधार नहीं हो सकता। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने मप्र हाई कोर्ट और रेलवे क्लेम ट्रिब्यूनल के पुराने आदेशों को खारिज कर दिया। एक व्यक्ति की पत्नी लता को 8 लाख रुपए मुआवजा देने का आदेश दिया।

पीएम मोदी ने किया ऐशबाग जंक्शन के आधुनिकीकृत स्टेशन का लोकार्पण

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 24.13 करोड़ से बदला राजधानी की ऐशबाग स्टेशन का स्वरूप

लखनऊ के ऐशबाग जंक्शन रेलवे स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कर नया स्वरूप दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लगभग 24 करोड़ 13 लाख रुपए की लागत से हुए इस पुनर्विकास कार्य का लोकार्पण किया।

अमन लेखनी समाचार/लखनऊ,

लखनऊ के ऐशबाग जंक्शन रेलवे स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कर नया स्वरूप दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लगभग 24 करोड़ 13 लाख रुपए की लागत से हुए इस पुनर्विकास कार्य का लोकार्पण किया। स्टेशन के उन्नयन के बाद यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं मिलने लगी हैं। लखनऊ में डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता की।

आधुनिक वेटिंग हॉल, दिव्यांग सुविधाएं व नया फुट ओवर ब्रिज बने आकर्षण

परिसर में स्थानीय कला प्रदर्शित

डीआरएम गौरव अग्रवाल ने बताया कि पुनर्विकास के तहत प्लेटफॉर्मों पर नए पीपी शेल्टर, आधुनिक वेटिंग हॉल, पुरुष, महिला और दिव्यांग यात्रियों के लिए अलग शौचालय, शिशु आहार कक्ष, नया पार्सल कार्यालय, पे एंड यूज टॉयलेट, विस्तृत पार्किंग और आकर्षक स्टेशन फसाड विकसित किया गया है। स्टेशन परिसर में स्थानीय कला को भी प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया है।

20 किलोवाट का सोलर प्लांट, 250 केवी का डीजी सेट

डीआरएम ने बताया कि यात्रियों की सुविधा के साथ पर्यावरण संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। स्टेशन पर 20 किलोवाट का सोलर प्लांट, 250 केवी का डीजी सेट और एक लाख लीटर क्षमता वाला रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित किया गया है। दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए रैम्प, व्हीलचेयर, ब्रेल मैप और विशेष टिकट काउंटर की व्यवस्था की गई है। वहीं सितंबर 2026 से नए 6 मीटर चौड़े फुट ओवर ब्रिज, अतिरिक्त लिफ्ट और एस्केलेटर के निर्माण का कार्य भी शुरू होगा, जिससे ऐशबाग जंक्शन उत्तर प्रदेश के आधुनिक और यात्री-अनुकूल रेलवे स्टेशनों में शामिल हो जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कैराना की 581 करोड़ से 89 परियोजनाओं का किया

10 साल पूर्व आतंक व भय का प्रतीक था शामली अब गन्ने की मिठास व एक्सप्रेसवे की 'त्रिवेणी'

मुख्यमंत्री ने कैराना, शामली व थानाभवन विधानसभा क्षेत्र की 581 करोड़ रुपए से अधिक लागत की 89 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास का विवरण देते हुए कहा कि 10 साल में यहां सकारात्मक बदलाव आए हैं...

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख/लखनऊ,

सीएम योगी आदित्यनाथ ने सपा व कांग्रेस पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि जिन्ना के उपासक लोग डेमोग्राफी बदल रहे थे और इसीलिए कैराना व कांधला से पलायन हो रहा था। मुख्यमंत्री शुक्रवार को कैराना, शामली व थानाभवन विधानसभा क्षेत्र की 581 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 89 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास करने के उपरांत जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने लोकार्पण व शिलान्यास की गई योजनाओं का विवरण देते हुए गत 10 वर्ष में शामली, थानाभवन व कैराना में आए सकारात्मक बदलाव की भी चर्चा की।

कांवड़ यात्रा में अनुशासनहीनता स्वीकार नहीं

चौधरी चरण सिंह के सपनों को साकार कर रही डबल इंजन सरकार

सीएम ने कहा कि भारत रत्न चौधरी चरण सिंह ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश, किसानों, युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए जो सपना देखा था, उसे डबल इंजन सरकार साकार कर रही है। एक तरफ किसान के चेहरे पर खुशहाली लाई जा रही है तो दूसरी तरफ युवाओं के लिए रोजगार व नौकरी है। हर गरीब को शासन की योजना का लाभ मिल रहा है। हर व्यापारी के निवेश को सुरक्षा मिल रही है।

एक्सप्रेसवे का 'संगम' बन चुका है शामली

सीएम ने कहा कि 10 साल पहले लोग पूछते थे कि आतंक-भय का प्रतीक शामली जनपद कहां है। शामली, कैराना-कांधला से पलायन होता था, यहां गुंडागर्दी होती थी। शरारत के तहत डेमोग्राफी को बदलने की साजिश हो रही थी। अब यहां के गन्ने की मिठास प्रसिद्ध है। पीएम मोदी जी के नेतृत्व व मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार शामली की गति को प्रगति में बदल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शामली अब दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे, शामली-अंबाला एक्सप्रेसवे और गोरखपुर-शामली एक्सप्रेसवे का 'संगम' बन चुका है। यहां की युवा पीढ़ी की ऊर्जा का उपयोग सकारात्मक दिशा में किया गया तो आने वाले समय में इंफ्रास्ट्रक्चर व सुरक्षा का यह बेहतर माहौल शामली को एनसीआर के सबसे धनी व समृद्ध जनपदों में खड़ा कर देगा।

2007 से 2017 के बीच 29 चीनी मिलें बंद हुईं, आज 122 चल रहीं

सीएम ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों चौधरी जयंत सिंह, वीरेंद्र सिंह, मोहित बेनीवाल, पूर्व मंत्री सुरेश राणा के कार्यों की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत में चौधरी चरण सिंह के बाद चीनी मिलों की स्थिति में सुधार व पुनरोद्धार का बीड़ा 2017 में सुरेश राणा ने उठाया था। 2007 से 2017 के बीच तत्कालीन सरकारों में 29 चीनी मिलें बंद हुईं। 21 मिलें औने-पौने दाम पर बेची गईं। 2017 में सुरेश राणा ने मंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभाली तो मैंने पूछा कि अब मिलें बिकेंगी तो नहीं, तब उन्होंने कहा था कि इन मिलों को वापस लेकर चलाएंगे।

3.5 कुंतल चांदी और सोने के जेवरात जब्त

अयोध्या में बड़ी रेड, कार में मिला करोड़ों का खजाना

अमन लेखनी समाचार/लखनऊ,

जीएसटी विभाग ने पुलिस की मदद से अयोध्या लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर बड़ी कार्रवाई की है। कार में करोड़ों का खजाना मिला है। अयोध्या के रोनाही टोल प्लाजा पर कार्रवाई करते हुए एक स्पोर्ट्स कार से करीब साढ़े तीन कुंतन चांदी, चांदी के आभूषण और कुछ सोने के आभूषण बरामद किए। बरामद माल के संबंध में मौके पर कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके। जानकारी के अनुसार, जीएसटी विभाग को दोपहर में इनपुट मिला था कि अयोध्या-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग के रास्ते बड़ी मात्रा में बिना वैध दस्तावेज के चांदी का परिवहन किया जा रहा है। सूचना के आधार पर जीएसटी अधिकारियों ने पुलिस के सहयोग से रोनाही टोल प्लाजा पर वाहनों की सघन जांच शुरू की। इसी दौरान एक स्पोर्ट्स कार को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें भारी मात्रा में चांदी, चांदी के आभूषण और कुछ सोने के आभूषण मिले।

माल को जब्त कर लिया गया

अपर आयुक्त (ग्रेड-1) बृजेश कुमार मिश्रा ने बताया कि वाहन में मौजूद व्यक्ति बरामद सोना-चांदी के संबंध में कोई वैध बिल या अन्य दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। फिलहाल पूरे माल को जब्त कर लिया गया है और संबंधित व्यक्ति को नोटिस जारी कर दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है।

कोषागार में जमा कराने की तैयारी

उन्होंने बताया कि यदि निर्धारित समय में वैध अभिलेख प्रस्तुत नहीं किए जाते हैं तो नियमानुसार जुर्माना लगाने के साथ आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जब्त किए गए सोना-चांदी को सुरक्षा की दृष्टि से कोषागार में जमा कराने की तैयारी की जा रही है।

धार भोजशाला विवादः शुक्रवार को नमाज नहीं पढ़ी गई

प्रशासन की चिन्हित जमीन करीब 1 किमी दूर, मुस्लिम पक्ष ने नमाज से किया इनकार

मुस्लिम पक्ष चाहता है कि परिसर के आंगन में या परिसर से सटी हुई किसी जगह पर ही नमाज पढ़ने की व्यवस्था होनी चाहिए

अमन लेखनी समाचार/नई दिल्ली,

धार में भोजशाला मामले में कोर्ट के आदेश के बाद धार प्रशासन ने मुस्लिम पक्ष की नमाज के लिए जो जगह तय की थी, समुदाय के लोगों ने वहां नमाज पढ़ने से इनकार कर दिया है। दरअसल, प्रशासन ने परिसर से करीब एक किलोमीटर दूर 40 पीर के पास नमाज की जगह चिन्हित की थी। वहीं मुस्लिम पक्ष तय की हुई जमीन से संतुष्ट नहीं हुआ और उस जमीन पर नमाज पढ़ने से इनकार कर दिया। कोर्ट के आदेश के बाद अगली सुनवाई यानी 1 अगस्त तक शुक्रवार को नमाज के लिए जगह चिन्हित करने का सुप्रीम कोर्ट ने जिला प्रशासन को निर्देश दिया था।

इस जगह का विकल्प दिया गया

कोर्ट के तरीके को गलत तरीके से किया गया पेश

मुस्लिम पक्ष चाहता है कि परिसर के आंगन में या परिसर से सटी हुई किसी जगह पर ही नमाज पढ़ने की व्यवस्था होनी चाहिए, हम नमाज नहीं पढ़ेंगे, कोर्ट के आदेश का गलत तरीके से पेश किया गया है, हम कोर्ट में अपनी बात रखेंगे, हमारे साथ सौतेला व्यवहार हो रहा है और हमारे नमाज के अधिकार को चुना गया है।

सतना में खौफनाक घटना...नरबलि या जानवर के हमले का शक

मासूम का सिर और हाथ एक जगह मिले, जबकि धड़ उससे दूर था और पेट का हिस्सा गायब था

24 घंटे से लापता 9 वर्षीय मासूम का क्षत-विक्षत शव जंगल में मिला

अमन लेखनी समाचार/नई दिल्ली,

जिले के पिंडरा गांव में बुधवार शाम से लापता 9 वर्षीय नितिन यादव का शव गुरुवार शाम को गांव से 500 मीटर दूर पहाड़ी के पास जंगल में क्षत-विक्षत हालत में मिला।

मासूम का सिर और हाथ एक जगह मिले, जबकि धड़ उससे दूर था और पेट का हिस्सा गायब था। नितिन पांचवीं कक्षा का छात्र था और बुधवार शाम स्कूल से लौटने के बाद घर के बाहर हैंडपंप पर हाथ-मुंह धोने गया था, जिसके बाद से वह लापता था। परिजनों ने बच्चे के अपहरण के बाद हत्या की आशंका जताई है, जबकि शुरुआती जांच में पुलिस और वन विभाग जंगली जानवर के हमले की आशंका भी मान रहे हैं। घटना कथित नरबलि की तरफ भी इशारा कर रही है।

शाजापुर में चौथी क्लास के छात्र की गला रेतकर हत्या

शुजालपुर। शाजापुर जिले के कालापीपल (नांदनी) में 10 वर्षीय प्रियांशु मेवाड़ा की धारदार हथियार से गला काटकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। शनिवार सुबह बिजली कंपनी के पावर ग्रिड के पास एक खाली मैदान से उसका खून से सना शव बरामद हुआ। प्रियांशु शुक्रवार शाम 5 बजे से लापता था और आखिरी बार उसे इसी मैदान के पास देखा गया था।

20 से पूरे प्रदेश में झमाझम बारिश की उम्मीद

आखिरकार, उम्मीद की बूंदें गिरी सीधी और मंडला में 'झमाझम'

भोपाल व इंदौर में 4 डिग्री पारा बढ़ा

भोपाल में बादल छाए

भोपाल। प्रदेश में लंबे ब्रेक के बाद शुक्रवार को मानसून मेहरबान रहा, जिससे प्रदेश के कई हिस्सों में जमकर बारिश हुई। सीधी जिले में सबसे अधिक 46 मिलीमीटर पानी गिरा। इसके अलावा मंडला में 17, बालाघाट के मलाजखंड में 16, सतना व सिवनी में 13 और दमोह में 12 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। छिंदवाड़ा, जबलपुर, सागर और शिवपुरी समेत कई अन्य जिलों में भी अच्छी बारिश दर्ज की गई है।

कहां कितनी बारिश?

शहर	मिलीमीटर
खजुराहो :	6.0
शिवपुरी :	4.0
उमरिया :	4.0
छिंदवाड़ा :	2.0
जबलपुर :	2.0

डिजिटल मूल्यांकन से छात्रों को परेशानी की आशंका पर शीर्ष अदालत ने जताई चिंता

याचिका में मांग: उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश के लिए आवश्यक 75% अंकों की अनिवार्यता में प्रभावित छात्रों को अस्थायी छूट दी जाए

सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, केंद्र सरकार से मांगी विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट

अमन लेखनी समाचार/नई दिल्ली,

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) यानी डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली को लेकर उपजे विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। छात्रों के भविष्य और मूल्यांकन में गड़बड़ी की आशंकाओं पर गंभीर चिंता जताते हुए शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार से इस संबंध में एक विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट तलब की है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ ने याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली में कुछ ऐसी तकनीकी और प्रक्रियागत समस्याएं दिखाई दे रही हैं, जिनकी गहराई से जांच की आवश्यकता है। अदालत ने स्पष्ट किया कि इस व्यवस्था से छात्रों में भारी निराशा और असंतोष है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

क्या है पूरा मामला और ओएसएम सिस्टम?

यह मामला राकेश बिंजोला द्वारा दायर एक जनहित याचिका से जुड़ा है। सीबीएसई की ओएसएम प्रणाली के तहत परीक्षक उत्तर पुस्तिकाओं की मूल (फिजिकल) कॉपी की जगह कंप्यूटर स्क्रीन पर उनकी स्कैन की गई डिजिटल कॉपियों को जांचते हैं। हालांकि, याचिका में आरोप लगाया गया है कि डिजिटल मूल्यांकन की तकनीकी खामियों और स्पष्ट नियमों के अभाव के कारण छात्रों के अंकों पर विपरीत असर पड़ रहा है। याचिका में इस पूरी व्यवस्था की निगरानी और सुधार के लिए एक हाई पावर कमेटी बनाने की मांग की गई है। याचिका में कोर्ट से प्रभावित छात्रों के शैक्षणिक हित की रक्षा के लिए मांग की गई हैं कि यदि तकनीकी गड़बड़ी साबित होती है, तो छात्रों का साल बर्बाद नहीं होना चाहिए।

केंद्र सरकार का पक्ष

समीक्षा के लिए आयोग गठित

सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को आश्वस्त किया कि कई व्यक्तिगत शिकायतों का समाधान पहले ही किया जा चुका है। इसके अलावा, केंद्र सरकार ने इस डिजिटल प्रणाली की समीक्षा करने और कमियों को सुधारने के लिए एस. राधा चौहान की अध्यक्षता में एक सदस्यीय आयोग का गठन किया है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को अब तक उठाए गए सुधारात्मक कदमों की पूरी रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई अगले सप्ताह होगी।

कांवड़ यात्रा में सुरक्षा से समझौता नहीं, अफवाह फैलाने वालों पर करें सख्त कार्रवाई : सीएम योगी

मुख्यमंत्री ने मेरठ व सहारनपुर मंडल के अधिकारियों संग की तैयारियों की समीक्षा

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रावण मास की कांवड़ यात्रा को सकुशल और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए शुक्रवार को मेरठ और सहारनपुर मंडल के पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ महात्मा गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट में समीक्षा बैठक की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि यात्रा के दौरान सुरक्षा, स्वच्छता और यातायात व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वाले अराजक तत्वों के खिलाफ तत्काल और सख्त कार्रवाई की जाए तथा भ्रामक सूचनाओं का समय रहते खंडन किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले सभी संबंधित विभाग अपनी तैयारियां पूरी कर लें। पूरे यात्रा मार्ग पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाए। प्रमुख मार्गों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं और ड्रोन के माध्यम से लगातार निगरानी रखी जाए। उन्होंने मेरठ और सहारनपुर के मंडलायुक्तों को नियमित रूप से तैयारियों की समीक्षा करने के निर्देश दिए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान दिल्ली, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान सहित पड़ोसी राज्यों के अधिकारियों से लगातार समन्वय बनाए रखा जाए, ताकि किसी भी स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। उन्होंने निर्देश दिए कि डीजे की आवाज निर्धारित मानक से अधिक न हो और कांवड़ की ऊंचाई भी तय सीमा के अनुरूप रहे, जिससे आवागमन में बाधा न आए। इसके लिए डीजे संचालकों, कांवड़ निमार्ताओं और कांवड़ संघों से लगातार संवाद बनाए रखने को कहा। मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग और सिंचाई विभाग को यात्रा मार्गों को समय रहते गड्ढामुक्त करने तथा झाड़ियों की सफाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पूरे मार्ग पर स्वच्छता बनी रहे और कहीं भी कूड़ा न दिखाई दे। कांवड़ शिविरों में स्ट्रीट लाइट, पेयजल, शौचालय, बिजली, साफ-सफाई तथा ताजा और सात्विक भोजन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर मांस और शराब की सभी दुकानें बंद रहें तथा इसकी लगातार निगरानी की जाए। परिवहन विभाग को निर्देशित किया गया कि कोई भी चालक नशे की हालत में वाहन का संचालन न करे। वहीं विद्युत विभाग को ट्रांसफार्मरों और बिजली की लाइनों की विशेष निगरानी रखने को कहा गया, ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना न हो। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों के साथ निरंतर समन्वय बनाए रखने तथा स्थानीय समस्याओं का तत्काल समाधान करने के निर्देश दिए। साथ ही सूचना विभाग के सहयोग से कांवड़ यात्रियों के लिए स्वागत द्वार और होर्डिंग लगाने तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने को भी कहा। बैठक में मेरठ और सहारनपुर मंडल के वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

तेलीबाग स्थित ऐतिहासिक विनायकी तालाब का होगा सौंदर्यीकरण

सरोजनी नगर के विधायक के प्रतिनिधि और खारिका वार्ड प्रथम के पार्षद कृष्ण नारायण ने किया शिलान्यास

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई।नगर निगम जोन 8 के अंतर्गत आने वाले खारिका वार्ड प्रथम तेलीबाग स्थित ऐतिहासिक विनायकी तालाब के सौंदर्यीकरण के कार्य का शिलान्यास वार्ड पार्षद के एन सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर सैकड़ो की संख्या में महिला एवं पुरुष भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। खारिका वार्ड के पार्षद कृष्ण नारायण सिंह ने बताया कि यह सौंदर्यीकरण का कार्य विधायक निधि से कराया जाएगा।लोगों से अपील की इस कार्य में सभी का सहयोग जरूरी है,इस तालाब को बचाने में प्रशासन का सहयोग करें । स्थानीय लोगों ने जताई खुशी- इस ऐतिहासिक विनायकी तालाब के सौंदर्यीकरण के कार्य से स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल है।यहीं के रहने वाले अधिवक्ता और समाजसेवी प्रताप सिंह, भक्ति सिंह आदित्य दीक्षित ने बताया कि कभी इस इलाके का शान रहा विनायकी तालाब गंदगी से पटा पड़ा है,स्थानीय विधायक डा राजेश्वर सिंह एवं स्थानीय पार्षद का यह कदम सराहनीय है।

तालाब में फंसे चीतल को आवारा कुत्तों ने नोच कर उतारा मौत के घाट

अमन लेखनी समाचार

मृत अवस्था में पड़ा चीतल

लखनऊ। माल थाना क्षेत्र के बाजारगांव में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई। डॉ. भीमराव आंबेडकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के निकट स्थित छोटे तालाब में एक चीतल फंस गया। असहाय अवस्था में तालाब में पड़े चीतल पर आवारा कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया और उसे बुरी तरह नोच डाला। चीतल पर कुत्तों के हमले की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने जोखिम उठाते हुए काफी मशक्कत के बाद चीतल को तालाब से बाहर निकाला, लेकिन तब तक वह गंभीर रूप से घायल हो चुका था। अत्यधिक रक्तस्राव और गहरी चोटों के कारण कुछ ही देर बाद चीतल ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। ग्रामीणों का कहना है कि इलाके में आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे न केवल वन्यजीव बल्कि आम लोगों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ गई है। उनका आरोप है कि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए जाने के कारण ऐसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग और स्थानीय प्रशासन से आवारा कुत्तों की समस्या का स्थायी समाधान करने तथा वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए ठोस व्यवस्था किए जाने की मांग की है।

चार दिन से लापता महिला का बेहता नाले में मिला शव

परिजनों ने औरास थाने में दर्ज कराई थी गुमशुदगी,

मृतका की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी, निजी अस्पताल से चल रहा था इलाज

अमन लेखनी समाचार

मृतका कमला देवी फाइल – फोटो

लखनऊ। बीते चार दिन से घर से लापता महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में बेहता नाले में पेड़ से फंसा मिला सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

उन्नाव जनपद के औरास थाना क्षेत्र के अहमदपुर कासिमपुर निवासी केदारनाथ की पत्नी कमला देवी (55) बीते 13 जुलाई सुबह अचानक घर से लापता हो गई परिजनों ने इधर-उधर काफी तलाश की लेकिन उनका कुछ पता नहीं चल सका जिसके बाद बेटे आदित्य ने 14 जुलाई को औरास थाने में मां की गुमशुदगी दर्ज कराते हुए बताया था कि मां की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी जिनका इलाज लखनऊ के एक निजी अस्पताल से चल रहा है, शुक्रवार को रहीमाबाद के भटपुरवा गांव के पीछे बेहता नाले में बुजुर्ग महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला बेटे सुधीर ने बताया कि वह मां की इधर-उधर तलाश कर रहा था। तभी देखा की मां का शव बेहता नाले में उतराकर एक गूलर के पेड़ से फंसा हुआ था। बेटे ने इसकी सूचना परिजनों सहित पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका के परिवार में तीन बेटे मनोज, सुधीर, आदित्य, अविवाहित बेटी रूबी, विवाहित बेटी सुनैना है जिनका रो-रो कर बुरा हाल है। इस संबंध में रहीमाबाद इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुणायक ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों ने किसी प्रकार का कोई आरोप नहीं लगाया है। देखने से यह प्रतीत हो रहा था कि शव कई दिन पुराना है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

भैंस चोरी कर ले जा रहे चोर को पकड़ कर किया पुलिस के हवाले

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र में गुरुवार को डेयरी से भैंस चोरी कर ले जा रहे एक किशोर को भैंस मालिक ने मौके पर पकड़ लिया, जबकि उसका साथी फरार हो गया। बाद में उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। बंथरा के लोनहा गांव निवासी जितेन्द्र यादव के मुताबिक गांव से करीब एक किलोमीटर दूर मवई गांव की ओर स्थित दूध डेयरी में उनकी भैंसें बंधी रहती हैं। जितेंद्र का कहना है गुरुवार शाम करीब चार बजे जब वह डेयरी पहुंचे तो एक भैंस गायब मिली। काफी तलाश के बाद भी उसका पता नहीं चला। इसी दौरान मवई निवासी उनके मित्र गोपाल यादव ने फोन कर बताया कि दो युवक एक भैंस को पैदल मवई चौराहे से अमावा की ओर ले जा रहे हैं और किसी से डाला मंगाने की बात कर रहे हैं।

कृषि फार्म पर रखे दो ट्रांसफार्मरों से तेल व कॉपर चोरी

जमीन पर पड़ा क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मर

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। बीती रात शातिर चोरों ने कृषि फार्म में रखे दो ट्रांसफार्मरों और ट्यूबल में लगे एक स्टार्टर को निशाना बनाते हुए उसमें लगा कॉपर और तेल चोरी कर फरार हो गए। गुरुवार देर रात शातिर चोरों ने रहीमाबाद थाना क्षेत्र के गहदो के पंवयां रोड पर स्थित कृषि फार्म पर चोरों ने चलती लाइन पर रखे 25 केवीए के दो ट्रांसफार्मरों से तेल कॉपर सहित ट्यूबल में लगे एक स्टार्टर को निशाना बनाते हुए चोरी कर फरार हो गए। फार्म इंचार्ज कर्णवीर सिंह ने बताया कि बीती रात अज्ञात चोरों ने दो ट्रांसफार्मर सहित नलकूप में लगा स्टार्टर चोरी कर फरार हो गए सुबह मैनेजर विनोद यादव ने देखा कि दोनों ट्रांसफार्मर नीचे जमीन पर पड़े थे। उनमें से तेल और कॉपर चोरी था। जिसकी लिखित शिकायत पुलिस सहित विद्युत विभाग से की। वहीं अवर अभियंता राजकुमार ने बताया कि फार्म मैनेजर द्वारा घटना की जानकारी हुई, मामले की जांच की जा रही है।

भाजपा सरकार में हर स्तर पर मुनाफाखोरी का खेल चल रहा

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को बयान जारी कर कहा कि भ्रष्ट भाजपा राज में अब नोटों का भी प्राइवेटाइजेशन हो जाएगा क्या? उन्होंने कहा कि कमीशनखोरी का मॉडल इस हद तक गिर जाएगा, देश की जनता ने सोचा न था। जब देश की मुद्रा ही आत्मनिर्भर नहीं होगी तो अर्थव्यवस्था और देश आत्मनिर्भर कैसे होगा? अब क्या सरकार भी आउटसोर्सिंग पर दे दी जाएगी?

अखिलेश यादव ने कहा इतने बड़े और संवेदनशील कार्य के लिए इतना छोटा कंजूसी भरा टेंडर निकालने के पीछे, कहीं चुपके से औपचारिकता पूरा करने का कोई गलत मंसूबा तो नहीं है। लगता है सेटिंग पहले ही हो चुकी है, दिखाने को खानापूर्ति की जा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार नही, मुनाफाखोरों की भागीदार है। भाजपा सरकार में हर स्तर पर भ्रष्टाचार मुनाफाखोरी का खेल चल रहा है।

ऐशबाग जंक्शन का पीएम मोदी ने किया वर्चुअल शुभारंभ

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर, सुदृढ़ संपर्क से हमारा भारत समृद्ध हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य को हम अवश्य प्राप्त करेंगे। वो दिन दूर नहीं कि जब हमारा देश दुनिया के अन्य विकसित देशों की अर्थव्यवस्था के आंकड़े को प्राप्त करेगा। यह कहना है प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक का।

वे शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित ऐशबाग जंक्शन रेलवे स्टेशन सहित देशभर के 75 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों के उद्घाटन समारोह में वर्चुअल रूप से सम्मिलित होकर, समारोह को बतौर मुख्य अतिथि लखनऊ के पुनर्विकसित ऐशबाग जंक्शन रेलवे स्टेशन से संबोधित कर रहे थे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हरियाणा के जींद जंक्शन से भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। विकसित भारत के सपने को साकार करती यह ट्रेन जींद और सोनीपत रेलवे स्टेशनों के बीच 89 किलोमीटर के रूट पर चलाई जा रही है। इस ट्रेन के संचालन के लिए जींद में ही हाइड्रोजन स्टोरेज और रीफ्यूलिंग की स्वदेशी सुविधा भी विकसित की गई है।

उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार हर वर्ग के लिए कार्य कर रही है। इंफ्रास्ट्रक्चर और सुगम यातायात पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए हमारी केंद्र और प्रदेश की सरकार विकास कार्य कर रही है। डिप्टी सीएम ने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित जंक्शनों या रेलवे स्टेशनों को दीर्घकालिक मास्टर प्लान के तहत हवाई अड्डे जैसी आधुनिक सुविधाओं, बेहतर सुरक्षा और सुगम आवागमन (मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी) के साथ नए सिरे से तैयार और अपग्रेड किया गया है। इन पुनर्विकसित स्टेशनों की विशेषताएं मुख्य रूप से विरासत और आधुनिकता का संगम हैं। स्टेशनों के डिजाइन में स्थानीय कला, संस्कृति और वास्तुकला को आधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ जोड़ा गया है। इनमें चौड़े सकुर्लेटिंग एरिया, अलग आगमन/प्रस्थान द्वार, लिफ्ट और एस्केलेटर, आधुनिक प्रतीक्षालय, मुफ्त वाई-फाई और दिव्यांगों के अनुकूल सुविधाएं शामिल हैं।

इस अवसर पर सदस्यगण, विधान परिषद लाल जी प्रसाद निर्मल, मुकेश शर्मा, महानगर अध्यक्ष, भाजपा आनंद द्विवेदी, महानगर उपाध्यक्ष, भाजपा विनायक पाण्डेय, उपाध्यक्ष, राज्य महिला आयोग अपर्णा यादव, मंडल रेल प्रबंधक, (एनईआर) पूर्वोत्तर रेलवे गौरव अग्रवाल, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अरिजीत सिंह, दिवाकर त्रिपाठी, टिंकू सोनकर, सत्येंद्र सिंह, मानवेंद्र सिंह, अंजनी श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

योगी सरकार शिक्षा के मंदिर को ध्वस्त करने का काम कर रही है : अजय राय

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने शुक्रवार को पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में प्रेसवार्ता में कहा कि मौलाना मो. अली जौहर

विश्वविद्यालय, रामपुर को तोड़ने का आदेश श्री राम जन्मभूमि मंदिर में हुई चंदा चोरी से ध्यान हटाने के लिए किया गया है। उन्होंने प्रेसवार्ता में रामपुर विकास प्राधिकरण के दस्तावेज दिखाते हुए कहा कि सक्षम अधिकारी द्वारा 15 जुलाई को पूर्वान्ह 11.00 बजे सुनवाई की जाती है और उसी दिन दोपहर 4.00 बजे मौलाना मो. अली जौहर विश्वविद्यालय के 38 भवनों के ध्वस्तीकरण का आदेश पारित किया जाता है, यह आश्चर्यजनक है और इससे सरकार की मंशा साफ जाहिर होती है। उन्होंने कहा कि रामपुर के सिंघनखेड़ा गांव में मौलाना मो. अली जौहर विश्वविद्यालय मो. आजम खान ने वर्ष 2005 में बनवाया उस समय यह गांव रामपुर विकास प्राधिकरण में नहीं था, वर्ष 2024 में यह गांव रामपुर विकास प्राधिकरण में समाहित हुआ। उन्होंने प्रदेश सरकार से पूछा कि जब यह गांव विकास प्राधिकरण में था ही नहीं तो नक्शा कैसे पास होता। सच्चाई तो यह है कि योगी सरकार द्वारा सिर्फ चंदा और चढ़ावा चोरी से ध्यान हटाने के लिए इस तरह का झूठा आदेश पारित किया गया है। मौलाना मो. अली जौहर विवि, विश्वविद्यालय एक्ट के अन्तर्गत बना है पूरे मानक पूरे करके बना है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा निर्माण नहीं बल्कि विध्वंश की पार्टी है। शिक्षा के मंदिर को गिराने का काम कर रही है। लाखों स्कूलों को बंद कर दिया। 53-54 इंजीनियरिंग कालेज इस वर्ष बंद कर दिए गए। जो मेडिकल कालेज बनाया भी तो उसमें न तो पैरामेडिकल स्टाफ है और डाक्टर हैं। सिर्फ गुजरात की निर्माण कंपनी ने निर्माण के नाम पर पैसा कमाया और वह भाग गई। उन्होंने कहा कि जहां कांग्रेस सरकार में विश्वविद्यालय, एमबीए और इंजीनियरिंग के नये नये स्कूल खुलते जा रहे थे भाजपा सरकार में डेढ़ लाख से ज्यादा सरकारी स्कूल बंद और आये दिन एमबीए और इंजीनियरिंग कालेज बंद होते जा रहे।

उन्होने कहा कि पहले जम्मू में श्री माता वैष्णो देवी मेडिकल कॉलेज को बंद किया। अब उत्तर प्रदेश की जौहर यूनिवर्सिटी को ध्वस्त किया जा रहा है। यही नहीं, देश में रोज 13 सरकारी स्कूल बंद हो रहे हैं। कितने ही मेडिकल कॉलेज, बीएड इंस्टिट्यूट, यूनिवर्सिटी सिर्फ कागजों पर है- बाबा आमटे दिव्यांग यूनिवर्सिटी, विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी, श्री राम कॉलेज, भोपाल जैसे 32 यूजीसी के उच्च शिक्षा संस्थान और न जाने कितने बीएड आदि के कॉलेज रिकॉर्ड में हैं तो, लेकिन कहीं नहीं है। उन्होंने कहा कि शिक्षा से इनका बैर सिर्फ पेपर लीक तक ही नहीं है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मो. आजम खां को प्रताड़ित करने उनके पूरे परिवार को प्रताड़ित करने और बर्बाद करने का कार्य किया जा रहा है।

मौ. मो. अली जौहर विवि में पढ़ने वाले 75 प्रतिशत हिन्दू छात्र और पढ़ाने वाले सैंकड़ों शिक्षकों और उनके परिवारों की जिन्दगी और भविष्य पर बुलडोजर चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार जौहर विवि को नष्ट न करे। सरकार द्वारा कॉरीडोर के नाम पर काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में सैंकड़ों पेड़ काट दिए गए, उसकी हरियाली खत्म कर दी गयी जिस पर एनजीटी ने जुर्माना भी लगाया है।

हर दिन 50 ट्रेनों के यात्रियों को मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं

लिफ्ट-एस्केलेटर, नई पार्किंग, हरित क्षेत्र और आधुनिक फुटओवर ब्रिज बने आकर्षण

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। ऐशबाग जंक्शन अब पूरी तरह नए स्वरूप में तैयार हो गया है। यहां से गुजरने वाली करीब पचास ट्रेनों के यात्रियों को आधुनिक सेवाएं मिलेंगी। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशन का पुनर्विकास किया गया है। स्टेशन को आधुनिक यात्री सुविधाओं, बेहतर सुरक्षा और आकर्षक डिजाइन के साथ विकसित किया गया है। एक ट्रेन का समापन भी इसी स्टेशन पर होता है। ऐसे में हर दिन हजारों यात्रियों को इस पुनर्विकास का सीधा लाभ मिलेगा।

स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म, प्रवेश द्वार और बाहरी परिसर को नए सिरे से विकसित किया गया है। स्टेशन परिसर का विस्तार करने के साथ ट्रैफिक प्रबंधन में सुधार किया गया है ताकि स्टेशन के बाहर जाम की समस्या कम हो और यात्रियों की आवाजाही आसान हो सके। स्टेशन पर करीब 5,500 वर्गमीटर क्षेत्र में नयी पार्किंग विकसित की गई है। इसके अलावा 4,300 वर्गमीटर क्षेत्र में हरित पार्क और लैंडस्केपिंग की गयी है, जिससे स्टेशन का परिसर पहले की तुलना में अधिक आकर्षक और व्यवस्थित दिखाई देता है। प्लेटफॉर्म पर आधुनिक फ्लोरिंग बिछाई गई है। पुराने शौचालयों की जगह आधुनिक और बेहतर सुविधाओं वाले शौचालय बनाए गए हैं। यात्रियों को प्लेटफॉर्म और अन्य स्थानों की जानकारी आसानी से मिल सके। इसके लिए पूरे स्टेशन पर एलईडी आधारित डिजिटल साइन बोर्ड लगाए गए हैं। स्टेशन के दोनों प्रवेश द्वारों पर काउ कैचर लगाए गए हैं, जिससे मवेशियों के प्रवेश पर रोक लगेगी और ट्रेनों के संचालन में सुरक्षा बढ़ेगी। पुनर्विकास की सबसे बड़ी विशेषताओं में 6 मीटर चौड़ा नया फुटओवर ब्रिज (एफओबी) शामिल है, जो स्टेशन के दोनों प्रवेश द्वारों को जोड़ता है। इस पर लिफ्ट और एस्केलेटर लगाए गए हैं, जिससे बुजुर्गों, दिव्यांगजनों, महिलाओं और भारी सामान लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों को प्लेटफॉर्म बदलने में आसानी होगी।

- **सितंबर 2026 से 6 मीटर चौड़े नए एफओबी का निर्माण होगा शुरू**

उदघाटन अवसर पर प्लेटफार्म पर मौजूद यात्रियों का कहना था कि अब ऐशबाग रेलवे स्टेशन नहीं बल्कि एयरपोर्ट जैसी फीलिंग दे रहा है। उनका कहना है कि अब वह दिन दूर नहीं जब भारत विकसित देश श्रेणी में शामिल हो जाएगा। जनसंपर्क अधिकारी महेश गुप्ता ने दी गई जानकारी में स्टेशन की नई सुविधाओं के क्रम में बताया कि प्लेटफार्मों पर आधुनिक फर्श, नए प्रसाधन, 26 नए शेल्टर, 5,500 वर्ग मीटर का उन्नत पार्किंग एरिया और 4,300 वर्ग मीटर का ग्रीन सकुर्लेटिंग एरिया तैयार किया गया है। वहीं आधुनिक वेटिंग हॉल, शिशु आहार कक्ष, पे एंड यूज टॉयलेट, पार्सल ऑफिस, एलईडी साइनेज, दोनों प्रवेश द्वारों पर काऊ कैचर ऊर्जा के लिए डीजी सेट और सोलर पैनल, रेन वाटर हार्वेस्टिंग की सुविधा भी है। आगे की योजनाओं के क्रम में वर्तमान में 1 एफओबी और प्लेटफार्म 1 व 6 पर लिफ्ट चालू हैं। सितंबर 2026 से 6 मीटर चौड़े नए एफओबी का निर्माण शुरू होगा, जो 31 अगस्त 2027 तक पूरा होगा। इसके बाद हर प्लेटफार्म पर लिफ्ट और दोनों छोर पर एस्केलेटर लगाए जाएंगे।

संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे से लटकता मिला मजदूर का शव

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र में एक मजदूर ने गुरुवार शाम करीब 6 बजे संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगा ली। जानकारी होने पर परिजन उसे उतार कर लोकबंधु अस्पताल ले गए। लेकिन वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बिजनौर थाना क्षेत्र के माती गांव में रहने वाला इंद्रजीत (35), अपनी पत्नी ममता, बेटे हर्षित मां कल्लो और भाई संतोष के साथ रहकर मजदूरी करता था। पुलिस के मुताबिक 14 जुलाई को इंद्रजीत का किसी बात को लेकर उसकी पत्नी से लड़ाई झगड़ा हो गया। इसके बाद ममता बेटे हर्षित को लेकर अपने मायके वजीरगंज थाना क्षेत्र के बिरहाना चली गई। गुरुवार शाम इंद्रजीत ने पत्नी को फोन कर घर आने को कहा। लेकिन उसकी पत्नी ने ससुराल आने से मना कर दिया। जिसको लेकर दोनों में फिर कहा सुनी हो गई। इससे नाराज इंद्रजीत शाम करीब 6 बजे कमरे के अंदर चला गया। जहाँ पंखे के हुक से साड़ी के सहारे लटक गया। उस दौरान उसका भाई संतोष काम से गया था, जबकि माँ कल्लो घर के बाहर बैठी थी। कुछ देर बाद जब माँ कल्लो अंदर गई तो इंद्रजीत को फांसी के फंदे से लटका देख उसके होश उड़ गए। उसने आनन-फानन पड़ोसियों को बुलाया। इसके बाद पड़ोसियों की मदद से इंद्रजीत को नीचे उतारकर लोक बंधु अस्पताल पहुंचाया गया। लेकिन वहां पहुंचते ही चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बाद में सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आगे की कार्रवाई कर रही है।

संक्षेप

अजगैन सबस्टेशन के तीन फीडरों की बिजली व्यवस्था चरमराई, ग्रामीण परेशान

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अजगैन विद्युत उपकेंद्र से संचालित रायपुर गढ़ी, बिरसिंहपुर और नवई फीडरों की विद्युत आपूर्ति इन दिनों पूरी तरह चरमरा गई है। इन फीडरों से जुड़े दर्जनों गांवों के लोग लगातार अघोषित बिजली कटौती का सामना कर रहे हैं। उपभोक्ताओं का आरोप है कि कभी फाल्ट के नाम पर तो कभी रोस्टिंग का हवाला देकर घंटों बिजली आपूर्ति बाधित कर दी जाती है, जिससे भीषण गर्मी में लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। ग्रामीणों के अनुसार 24 घंटे में मुश्किल से आठ घंटे ही बिजली मिल पा रही है। इसमें भी बार-बार ट्रिपिंग और लो वोल्टेज की समस्या बनी रहती है, जिसके कारण पंखे, कूलर और अन्य विद्युत उपकरण ठीक से नहीं चल पा रहे हैं। दिनभर बिजली की आंख-मिचौली से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, जबकि रात में हालात और भी बदतर हो जाते हैं ।ग्रामीण बीनू तिवारी, आशीष, अवधेश मिश्रा, सुरेश, विनोद और शिवा ने बताया कि दिन का समय तो किसी तरह बीत जाता है, लेकिन रात में भीषण गर्मी और मच्छरों के आतंक के बीच बिजली ही एकमात्र सहारा होती है। इसके बावजूद ट्रिपिंग और रोस्टिंग के नाम पर रात में केवल दो से तीन घंटे ही आपूर्ति मिल रही है। इससे बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है ।ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार संबंधित अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है।

नगदी व जेवरात लेकर महिला लापता सास ने दर्ज कराया मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। बारासगवर थाना अंतर्गत बहू के किसी अन्य ब्यक्ति के साथ भाग जाने पर सास द्वारा तहरीर दिए जाने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना क्षेत्र के रामनेर निवासिनी सरला सिंह ने तहरीर में बताया उसके पति मेजर सुबेदार महावीर सिंह की मौत हो चुकी है । पुत्र न होने की वजह से उन्होंने महावीर सिंह के पुत्र अंसू सिहं को दत्तक पुत्र के रूप में गोद ले लिया था ।वह 3 वर्षों से दुबई में रह कर नौकरी कर रहा है। उसकी पत्नी संचिता सिहं सोशल मीडियम के माध्यम से किसी सौरभ बाबू के साथ प्रेम सम्बन्धों में बंधी थी जिसकी जानकारी सभी पारिवारिक जनों को मालुम होनें पर काफी समझानें बुझानें के बावजूद भी घर में रहनें की राजी नहीं थी उसके माता पिता द्वारा भी बहुत समझाया गया परन्तु कोई असर नहीं पड़ा । 15 जुलाई की रात्रि लगभग 11.30 पर अपनें पुत्र रामसिहं उम्र करीब 10 वर्ष को घर पर छोडकर जेवर व दस हजार रुपये नगद लेकर शौरभ बाबू पुत्र अज्ञात निवासी अज्ञात के साथ चली गई । थाना प्रभारी धर्मेंद्र नाथ मिश्रा ने बताया मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

महिला हत्या कांड का पुलिस ने किया खुलासा तीन हत्यारोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव।बिहार थाना क्षेत्र में छह जुलाई को मिली महिला की लाश के मामले में हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने तीन हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।बिहार थाना क्षेत्र के बिहार मौरांवा मार्ग पर बिहार थाना क्षेत्र के मलौना तिराहे के आगे झाड़ियों में छह जुलाई को एक युवती का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था। घटना की सुरागकशी के लिए पुलिस के साथ स्वाट टीम व सर्विलांस टीम मामले का खुलासा करने में लग गयी थी। सात जुलाई को 5510/144 न्यू सरदारी बेड़ा आलमबाग लखनऊ निवासिनी चन्द्रवती पत्नी श्री किशन ने थाना कृष्णा नगर ने अपनी पुत्री जुली 40 वर्ष की गुमशूदगी दर्ज कराई थी। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे के सहारे एक लाल रंग की सेलेरियो कार पर आशंका जताते हुए खोजबीन में लग गयी। खोजबीन दौरान पता चला राधाकांत दुबे उर्फ कक्कू पुत्र स्व. रामअजोर दूबे नि० दूबेपुर थाना बीकापुर जनपद अयोध्या वतर्मान निवास आलमबाग ने ही उसकी हत्या की है। आरोपी राधाकांत दुबे ने बताया वह सरदारी खेड़ा में फरवरी 2025 में एक पुराना मकान खरीदा था जिसको तोड़कर उसने नया मकान बनाया है उसी में रह रहा है. उसकी पत्नी अध्यापिका की व पुत्री एक विभाग में क्लर्क की सीतापुर मे नौकरी कर रहीं है। जूली मेरे घर काम करने आती थी । मेरे व उसके अवैध संबंध थे जिसके चलते वह हमें अक्सर ब्लैक मेल करती थी।5 जुलाई को मैने उसकी हत्या का प्लान बना उसको दोपहर 11 बजे घर बुलाया । घर मे कोल्ड ड्रिंक्स के साथ नशीला पदार्थ मिला जूली को पिला दिया जिससे वह बेहोश हो गयी। मौका देखते ही मैंने उसके चेहरे पर सात आठ बार ईट से वार किया जिससे उसकी मौत हो गयी। उसके उपरान्त अपने साथी उमेश चंद्र यादव निवासी आशियाना लखनऊ व मेडिकल कॉलेज के क्विन मेरी में संविदा पर काम करने वाली परिचित स्टाफ नर्स सुमन वर्मा पत्नी इन्द्रजीत वर्मा नि० सुनौरा गाउपुर थाना बीकापुर जनपद अयोध्या वर्तमान निवास राजाजी पुरम लखनऊ को साथ लेकर लाश को ठिकाने लगाने की योजना बनाई। देर रात लाश को कार में लादकर बिहार मौरावां रोड पर केदारखेड़ा गाँव के समीप सुनसान जगह देख लाश डाल भाग निकले।

क्षेत्राधिकारी मधुप नाथ मिश्रा ने बताया आरोपी राधाकांत दुबे पर एक सिपाही की हत्या सहित कृष्णा नगर थाने में 18 मुकदमे दर्ज है। जबकि सहयोगी उमेश चंद्र यादव पर 7 मुकदमे दर्ज है। दोनो ही आरोपी पर पहले ही आजीवन कारावास की सजा हो चुकी है। अभी वह जमानत पर बाहर थे। एक महिला सहित कुल तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना में प्रयुक्त कार को बरामद कर लिया गया है ।पुलिस महानिरीक्षक लखनऊ परिक्षेत्र लखनऊ द्वारा घटना का अनावरण करने वाली टीम को 50,000/- रु0 के नकद पुरस्कार की घोषणा की गई है।

संदिग्ध परिस्थितियों में ऑटो चालक की मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। शहर कोतवाली क्षेत्र में एक 26 वर्षीय ऑटो चालक की गुरुवार रात संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव उसके मामा के बेटे के घर में मिला, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। परिजनों ने शुक्रवार सुबह पोस्टमार्टम हाउस पर हंगामा करते हुए हत्या का आरोप लगाया और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान सूरज सिंह (26) पुत्र स्वर्गीय पप्पू सिंह के रूप में हुई है। वह कल्याणी देवी खुजरिया बाग नई बस्ती, थाना कोतवाली का निवासी था और वर्तमान में काशीराम कॉलोनी में रह रहा था।

सूरज ऑटो चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। वह दो भाइयों और एक बहन में सबसे छोटा था ।परिजनों के अनुसार, सूरज गुरुवार सुबह ऑटो चलाने के लिए घर से निकला था। दोपहर में उसने अपनी मां रानी से फोन पर बात की और बताया कि वह गांधी नगर तिराहे पर है ।रात करीब साढ़े सात बजे भी उसकी मां से बातचीत हुई। सूरज ने बताया कि वह करावन मोड़ के पास सवारी छोड़कर अपने रिश्तेदार विनय सिंह के यहां ऑटो खड़ा करने के बाद सीधे घर लौटेगा। कुछ देर बाद परिजनों को सूचना मिली कि सूरज शराब के नशे में पड़ा है।

मृतक की मां का कहना है कि उनका बेटा न तो शराब पीता था और न ही गुटखा या तंबाकू का सेवन करता था। सूचना मिलने पर जब वे मौके पर पहुंचीं तो सूरज का ऑटो और मोबाइल वहीं मिला। इसके बाद उन्हें बताया गया कि युवक विनय सिंह के घर पर है ।मां का आरोप है कि जब वह विनय सिंह के घर पहुंचीं तो सूरज कमरे में अचेत अवस्था में पड़ा था। वहां मौजूद कुछ लोग आपस में झगड़ा कर रहे थे। उन्होंने बेटे को उठाकर देखा तो उसकी सांसें नहीं चल रही थीं। परिजन उसे तत्काल जिला अस्पताल ले गए और बाद में तीन निजी अस्पतालों में भी दिखाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

परिजनों का आरोप है कि विनय सिंह के घर पर ही सूरज की हत्या की गई है। उनका कहना है कि घटना के समय वहां मौजूद कुछ लोगों की भूमिका संदिग्ध है और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

कोतवाली प्रभारी सीके मिश्र का कहना है कि प्रथम दृष्टया मौत के कारण स्पष्ट नहीं हैं। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है और रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों के आधार पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

नवागत एसडीएम ने कार्यभार किया ग्रहण

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। नवागत उपजिलाधिकारी फाल्गुनी सिंह ने शुक्रवार को तहसील पहुंचकर कार्यभार ग्रहण किया ।कार्यभार संभालने के तुरंत बाद उन्होंने तहसील परिसर में आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। उपजिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक फरियादी को समयबद्ध न्याय दिलाना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी शिकायती पत्रों की स्थानीय स्तर पर निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा तथ्यों के आधार पर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी अधिकारी जनसुनवाई को गंभीरता से लें और पीड़ितों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें ।उन्होंने अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों से समन्वय के साथ

कार्य करने तथा शासन की योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने पर भी जोर दिया। इस दौरान उन्होंने तहसील की व्यवस्थाओं की जानकारी ली और राजस्व संबंधी कार्यों की प्रगति की समीक्षा भी की ।कार्यभार ग्रहण के अवसर पर तहसीलदार देवेंद्र सिंह सहित तहसील के कर्मचारी मौजूद रहे।।

दो दिन से घर में अकेले पड़े बुजुर्ग का बिस्तर पर पड़ा मिला शव

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के ककरौरा गांव में घर में अकेले रह रहे एक बुजुर्ग का शव दो दिन बाद उनके बिस्तर पर पड़ा मिला। दो दिनों से गांव में दिखाई न देने पर ग्रामीणों ने घर पहुंचकर देखा तो घटना की जानकारी हुई। सूचना पर पहुंचे परिजनों की मांग पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कोतवाली क्षेत्र के ककरौरा गांव निवासी राज नारायण (75) पुत्र सिद्धेश्वर अपने दोनों पुत्रों के दूसरे शहरों में रहने तथा चारों पुत्रियों के विवाह हो जाने के कारण घर में अकेले रहते थे। ग्रामीण रामू ने बताया कि मंगलवार को राज नारायण चक्की पर गेहूं पिसवाने के लिए देकर गए थे, लेकिन उसके बाद न तो आटा लेने पहुंचे और न ही गांव में कहीं दिखाई दिए। वह प्रतिदिन सुबह दूध लेने भी जाते थे, लेकिन लगातार दो दिन तक नहीं पहुंचे तो ग्रामीणों को चिंता हुई। जब गांव के लोगों ने उनके घर जाकर देखा तो वह बिस्तर पर मृत अवस्था में पड़े मिले। इसके बाद उन्नाव में रह रहे उनके बड़े पुत्र वेदप्रकाश को सूचना दी गई।

मृतक के पुत्र वेदप्रकाश ने बताया कि करीब तीन माह पहले इंडिया मार्का हैंडपंप से पानी भरने को लेकर पड़ोस की महिला मीना पत्नी वीरेंद्र और उनकी पत्नी गुड़िया के बीच विवाद और मारपीट हुई थी। इस मामले में मीना की तहरीर पर पुलिस ने उनके पिता राज नारायण के विरुद्ध भी जातिसूचक गाली देने का मुकदमा दर्ज किया था। इसके बाद परिवार के अधिकांश सदस्य गांव छोड़कर बाहर रहने लगे थे और राज नारायण अकेले ही घर में रह रहे थे।

परिजनों के अनुसार, राज नारायण की पत्नी का पहले ही निधन हो चुका है। बड़ा पुत्र वेदप्रकाश विवाहित है और उन्नाव में रहता है, जबकि छोटा पुत्र जयप्रकाश अविवाहित है और दूसरे राज्य में मजदूरी करता है। उनकी चारों पुत्रियों का विवाह हो चुका है।

इस संबंध में थानाध्यक्ष संदीप मिश्रा ने बताया कि पुत्र वेदप्रकाश की मांग पर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मौत कब और किन परिस्थितियों में हुई, इसका पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

जहरीला पदार्थ निगलने से युवक की हुई मौत

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के नरहरपुर गांव में पारिवारिक कलह के चलते जहरीला पदार्थ निगलने वाले सब्जी विक्रेता की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

नरहरपुर गांव निवासी अनिल (35) पुत्र भगोने आसपास के गांवों में लगने वाली हाट-बाजारों में सब्जी बेचकर परिवार का भरण-पोषण करता था। गुरुवार दोपहर वह घर पहुंचा और किसी बात को लेकर परिजनों से कहासुनी होने लगी। परिजनों के अनुसार जब उससे विवाद का कारण पूछा गया तो उसने कोई जवाब नहीं दिया और घर में रखा जहरीला पदार्थ निगल लिया। कुछ ही देर बाद उसकी हालत बिगड़ने लगी, जिसके बाद परिजन उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सफीपुर लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान बीती रात उसकी मौत हो गई। अनिल अपने पीछे पत्नी नीतू, तीन बेटे गणेश, ज्ञानेंद्र, ओंकार तथा एक बेटी पूर्णिमा को छोड़ गया है। उसकी मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा मामले की जांच शुरू कर दी है।

अलग अलग घटनाओं में दो किसानों की सर्पदंश से मौत

अमन लेखनी समाचार

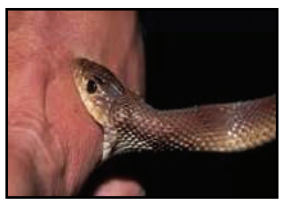

उन्नाव। जनपद में सर्पदंश की दो अलग-अलग घटनाओं में दो किसानों की जान चली गई। पहली घटना अजगैन थाना क्षेत्र के नवाबगंज में हुई, जबकि दूसरी बीघापुर थाना क्षेत्र में सामने आई। दोनों घटनाओं के बाद परिवारों में मातम छा गया है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

अजगैन थाना क्षेत्र के जालिम खेड़ा नवाबगंज निवासी 68 वर्षीय कुशेर पुत्र स्वर्गीय लक्ष्मण गुरुवार शाम अपने घर के पास सफाई का काम कर रहे थे। इसी दौरान झाड़ियों से निकले एक सांप ने उन्हें काट लिया। परिजन तुरंत उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवाबगंज ले गए।

प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने गंभीर हालत देखते हुए उन्हें रेफर कर दिया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। शुक्रवार दोपहर पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे मृतक के भतीजे सरवन ने बताया कि कुशेर खेती-किसानी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके परिवार में पत्नी और दो बेटे हैं। परिजनों ने सरकार से आर्थिक सहायता की मांग की है।

दूसरी घटना बीघापुर थाना क्षेत्र के बीघापुर कस्बे की है। यहां 46 वर्षीय राजेश पुत्र भगवान दीन गुरुवार रात अपने घर के बाहर जमीन पर सो रहे थे। देर रात उन्हें सांप ने काट लिया। परिजनों ने जब उनकी तबीयत बिगड़ती देखी तो उपचार का प्रयास किया, लेकिन उनकी मौत हो गई। राजेश भी खेती-किसानी से परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनके परिवार में दो बेटे और एक बेटी हैं। उनकी असमय मौत से पत्नी और बच्चों को गहरा सदमा लगा है।

दोनों घटनाओं के बाद पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बरसात के मौसम में लगातार सामने आ रही सर्पदंश की घटनाओं ने ग्रामीण क्षेत्रों में चिंता बढ़ा दी है।

विशेषज्ञों का कहना है कि बारिश के दौरान सांप अपने बिलों से निकलकर रिहायशी इलाकों और खेतों की ओर आ जाते हैं, जिससे ऐसी घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है।

एंटी रोमियो प्रभारी ने विद्यालय परिसर में छात्राओं को किया जागरूक

अमन लेखनी समाचार

पुरवा-उन्नाव। एसपी जय प्रकाश सिंह के निर्देश पर चलाए जा रहे एंटी रोमियो अभियान को आज एंटी रोमियो प्रभारी सुमन ने नगर में स्थित श्रीमती राम रानी देवी चौरसिया पब्लिक स्कूल में मिशन शक्ति के तहत एंटी रोमियो प्रभारी सुमन ने अपनी टीम के साथ छात्राओं क जागरूक किया। उन्होंने महिला हेल्प लाइन 1090 व 1098 के बारे जानकारी दी। एंटी रोमियो प्रभारी ने साइबर क्राइम के बारे में भी लोगों को जागरूक किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य गौरव शर्मा ने कहा कि आपके द्वारा चलाए जा रहे अभियान से छात्राओं में जागरूकता व साहस उत्पन्न होता है तथा समाज में एक अच्छा संदेश जाता है। संचालक रत्नम चौरसिया एडवोकेट ने टीम का आभार जताया।

एसडीएम का औचक छापा, निरीक्षण से मचा हड़कंप; व्यवस्थाओं की परखी हकीकत

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। उपजिलाधिकारी बृजमोहन शुक्ला ने शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) फतेहपुर चौरासी का औचक निरीक्षण किया। एसडीएम के अचानक अस्पताल पहुंचने से स्वास्थ्य कर्मियों में हड़कंप की स्थिति बन गई और पूरे परिसर में अफरा-तफरी का माहौल देखने को मिला। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने अस्पताल की व्यवस्थाओं, चिकित्सकीय सेवाओं, दवा वितरण, साफ-सफाई, मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं तथा कर्मचारियों की उपस्थिति का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि मरीजों को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं और सरकारी व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि शासन की प्राथमिकता आमजन को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। इस उद्देश्य में किसी भी प्रकार की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को अस्पताल की व्यवस्थाओं को और अधिक प्रभावी एवं जवाबदेह बनाने के निर्देश दिए। औचक निरीक्षण से अस्पताल प्रशासन पूरे समय सतर्क नजर आया। निरीक्षण के बाद स्वास्थ्य विभाग में व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा तेज हो गई।

ब्लॉक संसाधन केंद्र की कार्यशैली पर उठे सवाल, महासंघ के पदाधिकारियो ने बीईओ को सौंपा ज्ञापन

अमन लेखनी समाचार

पाटन, उन्नाव। विकासखंड सुमेरपुर में राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ सुमेरपुर(प्राथमिक संवर्ग) के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने ब्लॉक अध्यक्ष सुमेरपुर सोनू वाजपेई, जिला महामंत्री संकल्प मिश्रा व जिला उपाध्यक्ष धर्मेश श्रीवास्तव के नेतृत्व में शिक्षकों की लंबे समय से चली आ रही है समस्याओं के तुरंत समाधान की मांग करते हुए एक ज्ञापन खंड शिक्षा अधिकारी अखिलेश कुमार वर्मा को सौंपा नेताओं ने विभाग को आगाह किया कि इन गंभीर समस्याओं के कारण शिक्षकों को आर्थिक और मानसिक परेशानियों से गुजरना पड़ रहा है जिसे महासंघ अब बर्दाश्त नहीं करेगा

बताया गया कि संपूर्ण जनपद में लगभग 6 सैकड़ा और विकासखंड सुमेरपुर में लगभग आधा सैकड़ा शिक्षक सेवा के 10 वर्ष पूर्ण करते हुए चयन वेतनमान हेतु पात्र हैं परंतु ऐसे शिक्षकों का ब्यौरा ब्लॉक संसाधन केंद्र सुमेरपुर द्वारा सामूहिक रूप से जारी नहीं किया गया है जिससे शिक्षकों में असमंजस की स्थिति बरकरार है महासंघ ने कार्यालय की कार्यशैली पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि यदि ससमय पात्र शिक्षकों का ब्यौरा प्रदर्शित नहीं किया जाता है तो महासंघ उच्च अधिकारियों से संबंधित मांगों के बारे में अवगत कराने हेतु बाध्य होगा इतना ही नहीं जनपद के अधिकांश विकास खंडो द्वारा महानिदेशक महोदय के आदेश का पालन करते हुए चयन वेतनमान हेतु पात्र शिक्षकों से(पेपर लेस) किसी भी प्रकार की पत्रावली नहीं मांगी जा रही है परंतु विकासखंड सुमेरपुर में चयन वेतनमान के नाम पर हलफनामा युक्त पत्रावली ब्लॉक संसाधन केंद्र पर जमा कराई जा रही जो कि शासनादेश का घोर उल्लंघन है इस पर खंड शिक्षा अधिकारी ने अवगत कराया की हम अपनी सुविधा के दृष्टिकोण से पत्रावली ब्लॉक संसाधन केंद्र पर जमा कर रहे हैं जो भी शिक्षक उक्त तिथि तक पात्र हैं वह अपनी पत्रावली ब्लॉक संसाधन केंद्र पर अति शीघ्र जमा कर दें

कार्यालय की कार्यशैली पर गंभीर आरोप लगाते हुए महासंघ ने मांग की कि चयन वेतनमान निर्धारण के उपरांत वेतन निर्धारण की कॉपी संबंधित शिक्षक को तत्काल नहीं उपलब्ध कराई जाती है जिससे उसे अवशेष धन निकलवाने में अनेकों कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है

इस अवसर पर अपनी मांगों को मजबूती से रखने के लिए संगठन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदीप मोहन शर्मा. ब्लॉक मीडिया प्रभारी आकाश अवस्थी , जिला कार्य समिति सदस्य रेखा, ब्लॉक उपाध्यक्ष महिला अंजलि सचान , कोषाध्यक्ष नवल यादव , शिक्षक दिनेश कुमार, नोडल संकुल जय भीम, शिक्षक राम मोहन यादव, वरिष्ठशिक्षक अजय सिंह, शिक्षक पंकज शुक्ला, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के कार्यकारी अध्यक्ष अभिलाष त्रिपाठी सहित कई अन्य अध्यापक/ अध्यापिकाएं उपस्थित रहे

नदी में नहाते समय पानी मे डूबने से युवक की मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। असोहा थाना क्षेत्र के पितना खेडा गांव के गंगादीन का 35 वर्षीय पुत्र सरवन रावत गांव के ही रामकुमार व सत्तू के साथ उतरौरा गांव के पास से निकली सई नदी में आज सुबह लगभग दस बजे मछली मारने गए थे , रामकुमार व सत्तू मछली मार रहे थे वही सरवन नदी में नहाने उतर गया ,नहाते वक्त वह गहरे पानी मे चला गया ,सरवन तैरना नही जानता तो वह डूबने उतराने लगा ,सरवन को डूबता देख उसके साथ गए रामकुमार व सत्तू उसको बचाने दौड़े तब तक देर हो गई थी , सरवन का म्रत शरीर रामकुमार व सत्तू ने गांव वालो की मदद से नदी से बाहर निकलते हुए परिजनों को ।सूचना दी मा जदुराई घटना स्थल पहुंची तथा पुलिस को सूचना दी । घटना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया । म्रतक के पिता का कुछ वर्ष पूर्व ही देहांत हो गया था , म्रतक के एक बहन है जिसकी शादी हो गई है माँ जदुराई दृष्टिहीन है ,म्रतक ही परिवार का भरण पोषण करता था ।म्रतक की अंधी मा का रो रो कर बुरा हाल है।

मामा के घर रह रहे युवक की तालाब में डूबने से मौत

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार को मामा के घर रह रहे एक युवक की तालाब में डूबने से मौत हो गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक को तालाब से बाहर निकलवाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सफीपुर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है ।जानकारी के अनुसार, थाना फतेहपुर-84 क्षेत्र के दारापुर गांव निवासी सूरज (26) पुत्र झिमरी पिछले करीब आठ माह से कोतवाली क्षेत्र के जमालुद्दीनपुर गांव में अपने मामा छोटेलाल के घर रह रहा था। मामा छोटेलाल ने बताया कि सूरज के पिता की पहले ही मृत्यु हो चुकी थी। इसके बाद उसकी मां ने दूसरी शादी कर ली थी। तब से सूरज और उसकी बहन रिंकी की जिम्मेदारी उन्होंने अपने ऊपर ले ली थी। रिंकी की शादी कर दी गई, जबकि सूरज गलत संगत में पड़कर नशे का आदी हो गया था और अक्सर इधर-उधर घूमता रहता था ।शुक्रवार को भी सूरज कथित तौर पर नशे की हालत में गांव के बाहर स्थित तालाब में नहाने के लिए उतर गया। नहाते समय वह गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। आसपास मौजूद लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस व ग्रामीणों की मदद से युवक को तालाब से बाहर निकालकर तत्काल सीएचसी सफीपुर पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया ।इस संबंध में थानाध्यक्ष संदीप कुमार मिश्रा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सम्पादकीय

कोई भी भाषा सीखना कभी बेकार नहीं जाता

भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कृति और अवसरों का सेतु भी है। भारत जैसे बहुभाषी देश में यह बात और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत लागू की गई त्रि-भाषा नीति (थ्री-लैंग्वेज फॉर्मूला) भी इसी सोच पर आधारित है। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीएसई की इस नीति पर रोक लगाने से इनकार करते हुए कहा कि कोई भी भाषा सीखना कभी बेकार नहीं जाता। अदालत की यह टिप्पणी शिक्षा के व्यापक उद्देश्य को रेखांकित करती है, लेकिन यह सवाल भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि क्या इस नीति को लागू करने के लिए देश का शिक्षा तंत्र पूरी तरह तैयार है? राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य विद्यार्थियों को बहुभाषी बनाना, भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देना और शिक्षा को अधिक समावेशी बनाना है। नई व्यवस्था के अनुसार नौवीं और दसवीं कक्षा में तीन भाषाएं पढ़ना अनिवार्य होगा, जिनमें कम से कम दो भारतीय भाषाएं होंगी। इससे विद्यार्थियों को अपनी मातृभाषा और देश की भाषाई विविधता से जुड़ने का अवसर मिलेगा। यह कदम भारतीय भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में भी महत्वपूर्ण है। हालांकि, इस नीति को लेकर कई व्यावहारिक चिंताएं भी सामने आई हैं। सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में कहा गया कि अनेक विद्यार्थी पिछले कई वर्षों से फ्रेंच, जर्मन या अन्य विदेशी भाषाएं पढ़ रहे हैं। ऐसे छात्रों के लिए अचानक नई भारतीय भाषा अपनाना आसान नहीं होगा। इससे उनकी पढ़ाई और परीक्षा दोनों प्रभावित हो सकती हैं। दूसरी ओर, कई स्कूलों में संबंधित भाषाओं के प्रशिक्षित शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं। अनेक भारतीय भाषाओं की पाठ्य पुस्तकें भी समय पर उपलब्ध नहीं हो सकी हैं। इन व्यावहारिक कठिनाइयों को देखते हुए सीबीएसई ने अपनी प्रारंभिक व्यवस्था में संशोधन किया है। नई गाइडलाइन के अनुसार वर्तमान दसवीं, नौवीं, आठवीं और सातवीं के विद्यार्थियों को तीसरी भाषा की बोर्ड परीक्षा नहीं देनी होगी। केवल वर्तमान छठी कक्षा के विद्यार्थी पहले ऐसे बैच होंगे, जिन पर यह नीति पूरी तरह लागू होगी। यह निर्णय बताता है कि सरकार भी चरणबद्ध तरीके से इस बदलाव को लागू करना चाहती है, ताकि विद्यार्थियों पर अनावश्यक दबाव न पड़े। वहीं जो छात्र शैक्षणिक वर्ष 2027-28 में कक्षा 10वीं में प्रवेश करेंगे, उन्हें अपनी तीसरी भाषा (जिसे आर3 कहा गया है) का स्कूल-आधारित इंटरनल असेसमेंट पास करना ही होगा। इसके बिना उन्हें सेकेंडरी स्कूल एग्जामिनेशन पास सर्टिफिकेट नहीं दिया जाएगा। दरअसल, भाषा सीखने के अनेक लाभ हैं। शोध बताते हैं कि एक से अधिक भाषाओं का ज्ञान बच्चों की स्मरण शक्ति, तार्किक क्षमता और रचनात्मक सोच को विकसित करता है। भविष्य में रोजगार, उच्च शिक्षा और राष्ट्रीय स्तर पर संवाद के अवसर भी बढ़ते हैं। इसलिए नई भाषा सीखना कभी नुकसान का सौदा नहीं हो सकता। यदि पर्याप्त शिक्षक, गुणवत्तापूर्ण पाठ्यपुस्तकें, डिजिटल सामग्री और प्रशिक्षण उपलब्ध नहीं होगा तो अच्छी मंशा वाली नीति भी विद्यार्थियों और शिक्षकों दोनों के लिए परेशानी का कारण बन सकती है। केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि भाषा नीति लागू करने से पहले सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध हों और विद्यार्थियों को बदलाव के लिए पर्याप्त समय मिले। बहुभाषी भारत में भारतीय भाषाओं को सम्मान मिलना समय की मांग भी है। यदि यही संतुलन बनाए रखा गया, तो सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी वास्तव में सार्थक सिद्ध होगी कि कोई भी भाषा सीखना कभी बेकार नहीं जाता।

आर्थिकी

ममता कुशवाहा

महंगाई : अर्थव्यवस्था के सामने नई चुनौती

> जून माह में खुदरा महंगाई बढ़कर लगभग 4 .38 प्रतिशत तक पहुंचने के बाद यह स्पष्ट संकेत मिला कि महंगाई का दबाव फिर से बढ़ रहा है। लगातार कई महीनों की वृद्धि ने भारतीय रिजर्व बैंक, सरकार, उद्योग जगत और आम नागरिक–सभी की चिंताएं बढ़ा दी हैं। ऐसे समय में जब भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है, महंगाई का यह बढ़ता दबाव केवल आंकड़ों का विषय नहीं, बल्कि हर घर की रसोई, हर किसान की खेती, हर व्यापारी के कारोबार और हर युवा के भविष्य से जुड़ा प्रश्न बन चुका है। यही कारण है कि बढ़ती महंगाई को केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक और विकासात्मक चुनौती के रूप में भी देखा जा रहा है।

कुछ दिन पहले जारी हुए खुदरा महंगाई के ताज़ा आंकड़ों ने एक बार फिर देश में आर्थिक बहस को तेज कर दिया है। जून माह में खुदरा महंगाई बढ़कर लगभग 4.38 प्रतिशत तक पहुंचने के बाद यह स्पष्ट संकेत मिला कि महंगाई का दबाव फिर से बढ़ रहा है। लगातार कई महीनों की वृद्धि ने भारतीय रिजर्व बैंक, सरकार, उद्योग जगत और आम नागरिक-सभी की चिंताएं बढ़ा दी हैं। ऐसे समय में जब भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है, महंगाई का यह बढ़ता दबाव केवल आंकड़ों का विषय नहीं, बल्कि हर घर की रसोई, हर किसान की खेती, हर व्यापारी के कारोबार और हर युवा के भविष्य से जुड़ा प्रश्न बन चुका है। यही कारण है कि बढ़ती महंगाई को केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक और विकासात्मक चुनौती के रूप में भी देखा जा रहा है।

महंगाई का सामान्य अर्थ वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में लगातार वृद्धि से है। जब किसी परिवार को पहले की तुलना में समान वस्तुएं खरीदने के लिए अधिक धन खर्च करना पड़ता है, तब उसकी क्रय शक्ति घटने लगती है। यदि आय उसी गति से नहीं बढ़ती, जिस गति से महंगाई बढ़ रही हो, तो जीवन स्तर पर सीधा प्रभाव पड़ता है। यही वजह है कि महंगाई का सबसे अधिक बोझ मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग पर पड़ता है। इनके बजट का बड़ा हिस्सा भोजन, परिवहन, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी आवश्यक जरूरतों पर खर्च होता है, इसलिए कीमतों में मामूली वृद्धि भी उनकी आर्थिक स्थिति को प्रभावित कर देती है। वर्तमान समय में महंगाई बढ़ने का सबसे बड़ा कारण खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेजी है। दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दाम लगातार बढ़े हैं। इन वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि का सीधा असर हर परिवार की रसोई पर पड़ता है। भारत जैसे देश में जहां बड़ी आबादी सीमित आय पर निर्भर है, वहां खाद्य महंगाई केवल आर्थिक समस्या नहीं बल्कि सामाजिक चिंता का विषय बन जाती है। भोजन महंगा होने पर परिवार अपनी आवश्यकताओं में कटौती करने को मजबूर होते हैं, जिससे पोषण स्तर पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। महंगाई को बढ़ाने वाले कारण केवल घरेलू नहीं हैं। अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। पश्चिम एशिया में जारी तनाव, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएं और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव भारत जैसे आयात-निर्भर देशों के लिए बड़ी चुनौती बन जाते हैं। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करता है। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल महंगा होता है, तो परिवहन लागत बढ़ती है। इसका प्रभाव उद्योगों की उत्पादन लागत पर पड़ता है और अंततः उपभोक्ताओं को वस्तुएं महंगे दामों पर खरीदनी पड़ती हैं। इस प्रकार वैश्विक घटनाओं का असर सीधे भारतीय बाजार और आम नागरिक के जीवन पर दिखाई देता है। जलवायु परिवर्तन भी महंगाई का एक बड़ा कारण बनकर उभरा है। अनियमित मानसून, अत्यधिक वर्षा, सूखा और प्राकृतिक आपदाएं कृषि उत्पादन को प्रभावित करती हैं। यदि फसलें खराब होती हैं या उत्पादन कम होता है, तो बाजार में आपूर्ति घट जाती है और कीमतें बढ़ जाती हैं। भारत की बड़ी आबादी अभी भी कृषि पर निर्भर है, इसलिए मौसम की अनिश्चितता केवल किसानों की आय ही नहीं, बल्कि पूरे

देश की खाद्य सुरक्षा और मूल्य स्थिरता को प्रभावित करती है। आने वाले वर्षों में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव और अधिक गंभीर हो सकते हैं, इसलिए कृषि क्षेत्र को अधिक सक्षम और तकनीक आधारित बनाने की आवश्यकता है। बढ़ती महंगाई का सबसे बड़ा प्रभाव देश की मौद्रिक नीति पर पड़ता है। भारतीय रिजर्व बैंक का प्रमुख उद्देश्य मूल्य स्थिरता बनाए रखना और आर्थिक विकास को संतुलित रखना है। यदि महंगाई लगातार लक्ष्य से ऊपर बनी रहती है, तो आरबीआई रेपो रेट बढ़ाने का निर्णय ले सकता है।

रेपो रेट बढ़ने का अर्थ है कि बैंकों को धन महंगा मिलेगा, जिसका असर गृह ऋण, वाहन ऋण, शिक्षा ऋण और उद्योगों को मिलने वाले कर्ज पर पड़ेगा। ब्याज दरें बढ़ने से लोग कम खर्च करते हैं और उद्योग भी निवेश में सावधानी बरतते हैं। इससे आर्थिक गतिविधियों की गति धीमी हो सकती है। इसलिए महंगाई पर नियंत्रण और विकास के बीच संतुलन बनाना केंद्रीय बैंक के लिए सबसे कठिन जिम्मेदारी होती है। महंगाई का प्रभाव केवल उपभोक्ताओं तक सीमित नहीं रहता। उद्योगों के लिए कच्चा माल, बिजली, ईंधन और परिवहन महंगा होने से उत्पादन लागत बढ़ जाती है। यदि कंपनियां बढ़ी हुई लागत उपभोक्ताओं पर डालती हैं, तो वस्तुएं और महंगी हो जाती हैं। यदि वे कीमतें नहीं बढ़ातीं, तो उनका लाभ घटता है और निवेश प्रभावित होता है। इसका असर रोजगार सृजन पर भी पड़ सकता है। छोटे और मध्यम उद्योग, जिनकी आर्थिक क्षमता सीमित होती है, ऐसे समय में सबसे अधिक दबाव महसूस करते हैं। परिणामस्वरूप अर्थव्यवस्था की विकास दर पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। सरकार के सामने भी इस समय अनेक चुनौतियां हैं। केवल ब्याज दरों के सहारे महंगाई पर स्थायी नियंत्रण संभव नहीं है। इसके लिए उत्पादन बढ़ाना, आपूर्ति व्यवस्था मजबूत करना, जमाखोरी और कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण रखना तथा कृषि और परिवहन क्षेत्र में सुधार करना आवश्यक है। आवश्यक वस्तुओं की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करना, भंडारण क्षमता बढ़ाना और किसानों को आधुनिक तकनीक उपलब्ध कराना भी महंगाई नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। साथ ही ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों जैसे सौर और पवन ऊर्जा को बढ़ावा देकर आयातित ईंधन पर निर्भरता कम की जा सकती है। भारत की अर्थव्यवस्था आज पहले की तुलना में कहीं अधिक वैश्विक हो चुकी है। इसलिए दुनिया के किसी भी हिस्से में उत्पन्न आर्थिक या राजनीतिक संकट का प्रभाव भारतीय बाजार तक पहुंच जाता है। ऐसे में आर्थिक नीतियों को केवल वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखकर नहीं, बल्कि भविष्य के संभावित जोखिमों को देखते हुए तैयार करना होगा। मूल्य स्थिरता, खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा और सतत विकास को एक साथ लेकर चलना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

सरकार, रिजर्व बैंक, उद्योग जगत और किसानों के बीच बेहतर समन्वय ही इस चुनौती का प्रभावी समाधान दे सकता है। वास्तव में बढ़ती महंगाई केवल कीमतों का प्रश्न नहीं, बल्कि देश की आर्थिक स्थिरता, सामाजिक संतुलन और विकास की दिशा से जुड़ा हुआ विषय है। यदि समय रहते प्रभावी कदम उठाए जाएं, तो इस चुनौती को अवसर में भी बदला जा सकता है। मजबूत कृषि व्यवस्था, पारदर्शी बाजार, संतुलित मौद्रिक नीति, बेहतर आपूर्ति तंत्र और दूरदर्शी आर्थिक निर्णय ही भारत को महंगाई के दुष्प्रभावों से बचा सकते हैं। आज आवश्यकता आंकड़ों पर बहस करने से अधिक ठोस और समन्वित कार्रवाई की है, ताकि आर्थिक विकास की गति भी बनी रहे और आम नागरिक की थाली तथा जेब दोनों सरक्षित रह सकें।

संघर्ष

डॉ. घनश्याम बादल

होर्मुज़ पर टैक्स की जंग समुद्र पर किसका अधिकार

युद्ध केवल मोर्चों पर नहीं लड़े जाते, वे समुद्रों, व्यापार मार्गों, अर्थव्यवस्था और कूटनीति पर भी लड़े जाते हैं। आज फारस की खाड़ी का प्रवेश द्वार, हार्मुज जलडमरूमध्य, इसी प्रकार के संघर्ष का केंद्र बन गया है। ईरान और अमेरिका एक-दूसरे पर युद्धविराम की शर्तें तोड़ने का आरोप लगा रहे हैं। एक ओर ईरान अपने समुद्री क्षेत्र से गुजरने वाले जहाजों पर नियंत्रण और शुल्क लगाने की बात कर रहा है, तो दूसरी ओर अमेरिका भी समुद्री सुरक्षा के नाम पर जहाजों से 20 प्रतिशत शुल्क वसूलने की घोषणा कर चुका है। दोनों पक्ष अपने-अपने कदम को वैध ठहरा रहे हैं, किंतु प्रश्न यह है कि इसकी कीमत कौन चुकाएगा? उत्तर स्पष्ट है-दुनिया। ताज़ा घटनाक्रम में दोनों देश युद्धविराम के उल्लंघन के लिए एक-दूसरे को दोषी ठहरा रहे हैं। अमेरिका का आरोप है कि ईरान ने हार्मुज़ में जहाजों की आवाजाही बाधित कर समझौते की भावना का उल्लंघन किया, जबकि ईरान का कहना है कि अमेरिकी सैन्य कार्रवाई, नाकेबंदी और इज़राइल को समर्थन ने युद्धविराम को अर्थहीन बना दिया। स्वतंत्र रूप से इन दावों की पूरी पुष्टि संभव नहीं है, लेकिन इतना स्पष्ट है कि दोनों पक्ष युद्धविराम की अलग-अलग व्याख्या कर रहे हैं और यही टकराव का सबसे बड़ा कारण बन गया है। इस पूरे संकट में इज़राइल की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। ईरान का आरोप है कि इज़राइल की सैन्य गतिविधियों को अमेरिकी समर्थन प्राप्त है, जबकि अमेरिका इसे क्षेत्रीय सुरक्षा का प्रश्न बताता है। परिणाम यह है कि युद्ध केवल ईरान और अमेरिका के बीच सीमित नहीं रह गया, बल्कि पूरा पश्चिम एशिया उसकी चपेट में आ गया है। हार्मुज़ विश्व ऊर्जा आपूर्ति की जीवनरेखा है। सामान्य परिस्थितियों में विश्व के समुद्री तेल व्यापार का लगभग पांचवां हिस्सा इसी मार्ग से गुजरता है। यदि इस मार्ग पर कोई भी पक्ष कर लगाए, जहाजों को रोकें या सैन्य नियंत्रण स्थापित करें, तो उसका प्रभाव केवल खाड़ी तक सीमित नहीं रहेगा। तेल की कीमतें बढ़ेंगी, समुद्री बीमा महंगा होगा, माल ढुलाई की लागत बढ़ेगी और अंततः पूरी दुनिया में महंगाई का दबाव बढ़ेगा। सबसे रोचक और विडंबनापूर्ण स्थिति यह है कि दोनों पक्ष लगभग एक जैसी नीति अपना रहे हैं। ईरान कहता है कि वह अपनी समुद्री सीमा और सुरक्षा के लिए शुल्क लेगा। अमेरिका कहता है कि वह समुद्री सुरक्षा उपलब्ध करा रहा है, इसलिए उसके लिए भी शुल्क लिया जाना चाहिए। नाम अलग-अलग हो सकते हैं-'टैक्स', 'टोल', 'सुरक्षा शुल्क' या 'प्रतिपूर्ति'-लेकिन अंततः भुगतान जहाज मालिकों को करना होगा और उसका भार दुनिया के उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। यही इस पूरे विवाद की सबसे बड़ी विडंबना है। अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून का मूल सिद्धांत यह है कि अंतरराष्ट्रीय नौवहन मार्गों पर निर्बाध आवागमन सुनिश्चित किया जाए। किसी एक देश द्वारा समुद्री मार्ग को आर्थिक या राजनीतिक दबाव का साधन बनाना वैश्विक व्यापार व्यवस्था की भावना के विरुद्ध माना जाता है। यही कारण है कि दोनों पक्षों के दावों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रश्न उठ रहे हैं। भारत के लिए यह संकट विशेष चिंता का विषय है।

भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा भाग आयात करता है और उसका महत्वपूर्ण हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से आता है। यदि हार्मुज़ में तनाव बढ़ता है तो कच्चे तेल की कीमतें बढ़ेंगी, पेट्रोल और डीज़ल महंगे होंगे, परिवहन लागत बढ़ेगी, उर्वरकों की कीमत प्रभावित होगी और अंततः महंगाई का दबाव आम नागरिक तक पहुंचेगा। इसके अतिरिक्त खाड़ी देशों में कार्यरत लाखों भारतीयों की सुरक्षा और भारतीय निर्यात-आयात पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। खाड़ी देशों की स्थिति भी कम कठिन नहीं है। वे एक ओर अमेरिका के सुरक्षा सहयोगी हैं, दूसरी ओर उनकी अर्थव्यवस्था समुद्री व्यापार और ऊर्जा निर्यात पर निर्भर है। इसलिए वे किसी भी ऐसे संघर्ष से बचना चाहते हैं जिससे व्यापार बाधित हो। लंबे समय तक तनाव बना रहा तो खाड़ी देशों की आर्थिक वृद्धि और निवेश दोनों प्रभावित होंगे। वास्तविकता यह है कि आधुनिक युद्धों में 'आर-पार की जीत' अब लगभग असंभव हो गई है।

छिद्रान्वेषण', जो लोग दूसरों में ढूढ़ते हैं दोष

संकलित

दर्शन

लोग प्रायः दूसरों में दोष ढूंढ़ने में लगे रहते हैं। इसी को छिद्रान्वेषण कहते हैं। ऐसा करने वाले लोग अपने बड़े-बड़े दोषों को देखते हुए भी नहीं देख पाते। फिर भी दूसरों में दोष निकालने से बाज नहीं आते। यह प्रवृत्ति न केवल स्वयं के लिए, अपितु समाज के लिए भी घातक है। इसी कारण समाज में ईर्ष्या, द्वेष और वैमनस्य का परिवेश बनता है। इसका सर्वाधिक विपरीत प्रभाव उन लोगों के मनोबल पर पड़ता है, जो ईमानदारी से समाज और देश की सेवा कर जीवन यापन करना चाहते हैं। छिद्रान्वेषी प्रवृत्ति अमूमन उन्हीं लोगों में देखने को मिलती है जो स्वयं बुराइयों के भंडार होते हैं। इससे उनकी सकारात्मक ऊर्जा का निरंतर क्षरण होता है और स्वयं का विकास अवरुद्ध हो जाता है। इसीलिए चाणक्य ने कहा है, 'मनुष्य की यह प्रवृत्ति कभी अपने भीतर सद्गुणों का विकास नहीं होने देती।' परिणामस्वरूप मन, वाणी और कर्म तीनों कलुषित हो जाते हैं। महाभारत में दुर्योधन छिद्रान्वेषी दुष्प्रवृत्ति का सबसे बड़ा उदाहरण है। उसने कभी अपने दोष देखने का प्रयास नहीं किया। इसीलिए उसके मन, वाणी और कर्म सभी कलुषित हो गए। एक बार गुरु द्रोण ने दुर्योधन और युधिष्ठिर दोनों को राज्य में साधु पुरुषों की गणना के लिए भेजा तो दुर्योधन को कोई साधु पुरुष मिला ही नहीं। यह दुर्योधन की छिद्रान्वेषी दुष्प्रवृत्ति का परिणाम था। इसके विपरीत युधिष्ठिर को कोई दुर्जन व्यक्ति नहीं मिला। वास्तव में दूसरे के दोष देखने का अधिकार उसी को है, जिसमें वह बुराई न हो।

झूठ बोलकर हासिल ज्ञान ज्यादा दिन नहीं चलता

संकलित

प्रेरणा

परशुराम अष्ट चिरंजीवियों में से एक हैं, योद्धा और गुरु हैं। महाभारत के समय भीष्म, द्रोणाचार्य और कर्ण इनके शिष्य थे। परशुराम जी से ज्ञान हासिल करने के लिए कर्ण ने झूठ बोला था कि मैं ब्राह्मण पुत्र हूं, क्योंकि उस समय परशुराम जी ब्राह्मणों को ही ज्ञान दे रहे थे। कर्ण परशुराम जी का शिष्य बन गया और ज्ञान हासिल करने लगा। एक दिन जब परशुराम कर्ण की गोद में सिर रखकर सो रहे थे। उस समय कर्ण की जांघ पर एक बड़े कीड़े ने काट लिया। गुरु की नींद न टूटे ये सोचकर कर्ण दर्द सहते रहे, लेकिन उन्होंने परशुराम को नींद से नहीं जगाया। नींद से जागने पर जब परशुराम ने देखा कि कर्ण के पैर से खून बह रहा है तो वे समझ गए कि कर्ण ब्राह्मण पुत्र नहीं है। तब परशुराम ने क्रोधित होकर कर्ण को शाप दिया था कि मेरी सिखाई हुई विद्या की जब तुम्हें सबसे ज्यादा आवश्यकता होगी, उस समय तुम ये विद्या भूल जाओगे। महाभारत युद्ध में जब कर्ण और अर्जुन का आमना-सामना हुआ, उस समय कर्ण अपने दिव्यास्त्रों को प्रकट करने की विधि भूल गए थे। इसके बाद अर्जुन ने श्रीकृष्ण के कहने पर कर्ण का वध कर दिया। झूठ बोलकर हासिल की गई विद्या लंबे समय तक साथ नहीं देती है। ज्ञान सीखने के लिए त्याग और तप दोनों ही करना पड़ता है तब कहीं सही मायनों में ज्ञान अर्जित हो पाता है। दूसरा सही गुरु का मिलना भी जरूरी है अन्यथा भटकते रहना पड़ता है।

अंतर्मन

आज की पाती

होर्मुज संकट : विश्व आर्थिकी के लिए बढ़ता खतरा

अमरीका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य टकराव ने एक बार फिर होर्मुज जलडमरूमध्य को वैश्विक चिंता का विषय बना दिया है। यदि यह समुद्री मार्ग लंबे समय तक बाधित रहता है, तो इसका असर केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार व्यवस्था प्रभावित होगी। यह स्थिति इस बात का संकेत है कि क्षेत्रीय संघर्ष अब वैश्विक संकट का रूप ले सकता है। होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है। प्रतिदिन दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल और बड़ी मात्रा में प्राकृतिक गैस की आपूर्ति इसी रास्ते से होती है। जहाजों की आवाजाही अगर बाधित होती है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आना स्वाभाविक है। - संकेत अग्रवाल, धमतरी

ट्रेंड

अदम्य कौशल

भारतीय महिला क्रिकेट के एक नए दौर की शुरुआत। इंग्लैंड के खिलाफ आज का टेस्ट मैच जीतने के लिए हमारी महिला क्रिकेट टीम को बधाई। यह भारतीय महिला क्रिकेट के अदम्य कौशल का प्रतीक है।

- अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

डबल-इंजन' सरकार

भारत सरकार पश्चिम बंगाल के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। 'डबल-इंजन' सरकार कदम-से-कदम मिलाकर और कंधे-से-कंधा मिलाकर आगे बढ़ेगी। पश्चिम बंगाल को तरक्की और विकास के मामले में देश में नंबर वन बनाने के लिए हर संभव कोशिश की जाएगी।

-शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय कृषि मंत्री

शिक्षा व्यवस्था

भ्रष्ट, अन्यायपूर्ण, पक्षपाती और बेईमान - ये चार शब्द मेरे नहीं है, बल्कि देश के छात्र आज भारत की शिक्षा व्यवस्था के लिए इनका इस्तेमाल कर रहे हैं। सच तो यह है कि भारत की शिक्षा व्यवस्था अब जबरन वसूली का एक बेईमान जरिया बन गई है।

- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन

सीजेपी का जंतर-मंतर पर कई दिनों से विरोध-प्रदर्शन चल रहा है। सोनम वांगचुक वहां कई दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे हैं। हम उनकी मांगों का समर्थन करते है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए।

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

करंट अफेयर

यूरोप में भीषण गर्मी भौंरों के लिए साबित हो रही जानलेवा

संभव है कि गर्मियों के महीनों में आपको अपने आस-पास फुटपाथ पर मरे हुए भौंरे (बम्बलबीज) दिखाई दें। इसके पीछे कई कारण हैं जिनमें कुछ मौसमी और काफी हद तक इंसानी गतिविधियां हैं। भौंरे सामाजिक होते हैं और कॉलोनियों में रहते हैं। इन कॉलोनियों को बहुत सक्रिय मजदूर भौंरें चलाते हैं, जिनकी उम्र बहुत छोटी यानी चार से छह हफ्ते की होती है। इसका अभिप्राय है कि काफ़ी कम समय में ही बूढ़े होकर ये भौंरें मर जाते हैं और कॉलोनी में बीमारी फैलने से रोकने के लिए, स्वस्थ युवा मजदूर भौंरे मरे हुए भौंरों को बाहर निकालकर कॉलोनी से काफ़ी दूर ले जाते हैं।

ऑफ बीट

साइकिल चलाना पैदल चलने से चार गुना ज्यादा प्रभावी

साइकिलिंग के माध्यम से लोग चलने या दौड़ने की तुलना में कम ऊर्जा खपत पर तेज और दूर तक सुविधाजनक तरीके से सफर करने में सक्षम होते हैं।

लेकिन आखिर पैदल चलने की तुलना में साइकिलिंग इतनी आसान क्यों लगती है? इसका जवाब छिपा है उस सुव्यवस्थित जैव-यांत्रिकी में जो साइकिल का हमारे शरीर के साथ तालमेल बनाती है। लेकिन यह सरलता एक ऐसी इंजीनियरिंग को छिपाए हुए है, जो मानव शरीर की संरचना और क्रिया प्रणाली से बिल्कुल मेल खाती है। जब हम चलते या दौड़ते हैं तो असल में हमारा झुकाव एक नियंत्रित तरीके से आगे की ओर रहता है

संक्षेप

राजकीय आईटीआई गौरीगंज में रोजगार मेला, 117 चयनित

अमेठी में विश्व युवा कौशल दिवस पर 15 कंपनियों ने भाग लिया

अमेठी, गौरीगंज स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में विश्व युवा कौशल दिवस पर एक रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इस मेले में कुल 117 अभ्यर्थियों का विभिन्न कंपनियों में चयन हुआ। यह रोजगार मेला अमेठी के राजकीय आईटीआई, गौरीगंज परिसर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) पूजा साहू ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। सीडीओ पूजा साहू ने इस अवसर पर कहा कि ₹आज का युग कौशल का युग है। युवाओं का हुनरमंद होना आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।₹ उन्होंने युवाओं से अपनी क्षमताओं को पहचानने और कौशल उन्नयन करते रहने का आह्वान किया। मेले में 15 प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया, जिन्होंने तकनीकी, गैर-तकनीकी, प्रबंधन और सेवा क्षेत्रों में कुल 323 पदों के लिए साक्षात्कार आयोजित किए। लगभग 323 अभ्यर्थियों ने इस मेले में प्रतिभाग किया, जिनमें से 117 का चयन किया गया।संस्थान के प्रधानाचार्य महेंद्र प्रताप सिंह ने मुख्य अतिथि, कंपनियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संस्थान भविष्य में भी युवाओं के कौशल विकास और रोजगार सृजन के लिए ऐसे आयोजन करता रहेगाइस अवसर पर जिला सेवायोजन अधिकारी अनुपमा रानी, उपायुक्त उद्योग अभय कुमार सुमन, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. राजेश कुमार द्विवेदी, जनपद के समस्त राजकीय आईटीआई के प्रधानाचार्य, रोजगार मेला प्रभारी अनिल कुमार मिश्र, एमआईएस मैनेजर मृत्युंजय तिवारी सहित संस्थान के अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।इस रोजगार मेले का उद्देश्य युवाओं को नौकरी के अवसर प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें उद्योगों की वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल विकास के लिए प्रेरित करना भी था।

चाइल्ड हेल्पलाइन अभियान शुरू

रेलवे स्टेशन से हुई शुरूआत, बच्चों की सुरक्षा और सहायता के लिए 1098 की जानकारी दी गई

अमेठी , जिला प्रोबेशन अधिकारी वीरेंद्र कुमार वर्मा के निर्देश पर बुधवार को गौरीगंज रेलवे स्टेशन पर चाइल्ड हेल्पलाइन द्वारा जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आमजन को बच्चों के अधिकारों, उनकी सुरक्षा और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान चाइल्ड हेल्पलाइन के प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर गौरव श्रीवास्तव ने लोगों को संबोधित करते हुए बताया कि यदि कोई अकेला, बेसहारा, असहाय या परेशान नाबालिग बच्चा दिखाई देता है, तो उसकी सूचना तत्काल चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर दें। इससे संबंधित बच्चे को समय पर आवश्यक सहायता और संरक्षण मिल सकेगा। आमजनों को पंपलेट भी बांटे इस अवसर पर रुचि सिंह ने प्रदेश सरकार की कन्या सुमंगला योजना सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी और लोगों को इनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

भाजपा प्रदेश मंत्री डॉ. राहुल वाल्मीकि का कैसरगंज में स्वागत

कैसरगंज के जीबी हॉस्पिटल में हुआ भव्य अभिनंदन

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच।भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के नवनियुक्त प्रदेश मंत्री डॉ. राहुल वाल्मीकि के शुक्रवार को बहराइच जनपद में प्रथम आगमन पर पार्टी कार्यकताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। जनपद के विभिन्न स्थानों पर उनका फूल-मालाओं, अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ एवं जोरदार नारों के बीच भव्य और ऐतिहासिक स्वागत किया गया। पूरे जिले में उत्सव जैसा माहौल रहा और कार्यकताओं ने जगह-जगह उनका अभिनंदन कर संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया।इसी क्रम में कैसरगंज स्थित जीबी हॉस्पिटल में भाजपा नेता डॉ. अरविंद सिंह के नेतृत्व में प्रदेश मंत्री डॉ. राहुल वाल्मीकि का भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उन्हें अंगवस्त्र ओढ़ाकर, पुष्पगुच्छ भेंट कर तथा माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। इस दौरान उपस्थित कार्यकताओं ने भारत माता की जय, भारतीय जनता पार्टी ज़िंदाबाद तथा डॉ. राहुल वाल्मीकि ज़िंदाबाद के गगनभेदी नारों से पूरे परिसर को गुंजायमान कर दिया।गौरतलब है कि डॉ. राहुल वाल्मीकि को हाल ही में भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश का प्रदेश मंत्री नियुक्त किया गया है।इससे पूर्व वे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) के पूर्व राष्ट्रीय मंत्री तथा भारतीय जनता युवा मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय मंत्री के रूप में संगठन में कई महत्वपूर्ण दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर चुके हैं। संगठनात्मक क्षमता, सक्रिय कार्यशैली और समर्पण के चलते उन्हें प्रदेश संगठन में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रदेश मंत्री का दायित्व संभालने के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से शिष्टाचार भेंट कर उनका आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया था।

स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. राहुल वाल्मीकि ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की सबसे बड़ी शक्ति और रीढ़ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश नेतृत्व ने जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी है, उसका निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ करेंगे। संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाना तथा बूथ स्तर तक पार्टी को और अधिक सशक्त बनाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। कार्यक्रम में पंकज सिंह, अजय सिंह, नीरज सिंह सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं में उत्साह और जोश देखते ही बन रहा था।

वाह रे 9 करोड़ रुपए का मरम्मत कार्य...!

घाघरा घाट संजय सेतु में फिर दरार

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। बहराइच-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर जरवल रोड स्थित संजय सेतु पर करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद मरम्मत कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) द्वारा लगभग 9 करोड़ रुपये की लागत से सेतु का मरम्मत कार्य कराया गया। इस दौरान करीब दो माह तक आवागमन भी बाधित रहा, जिससे राहगीरों, व्यापारियों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। लेकिन हैरानी की बात यह है कि मार्ग को खुले अभी एक माह भी पूरा नहीं हुआ और पुल के ज्वाइंटर में फिर से गड्ढा (होल) हो गया है। इससे एक बार फिर वाहन चालकों की सुरक्षा पर सवाल उठने लगे हैं और लोगों में भारी नाराजगी है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी पुल की यही स्थिति है, तो मरम्मत कार्य की गुणवत्ता और निगरानी की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। लोगों ने संबंधित अधिकारियों से दोषी ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा पुल की तत्काल स्थायी मरम्मत कराने की मांग की है

अब सबसे बड़ा सवाल यही है– जब 9 करोड़ रुपये खर्च होने के बाद भी पुल का ज्वाइंटर एक माह नहीं टिक पाया, तो आखिर जनता के टैक्स का पैसा किस गुणवत्ता के काम पर खर्च किया गया ?

नवनियुक्ति सीओ नानपारा से शिक्षक नेताओं ने की शिष्टाचार भेंट

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ नवाबगंज ब्लॉक अध्यक्ष अरविन्द कुमार वर्मा के नेतृत्व में गुरुवार कों नवनियुक्ति पुलिस क्षेत्राधिकारी नानपारा चित्रांशु गौतम से शिष्टाचार भेंट कर गुलदस्ता और स्मृतिचिन्ह देकर उनका स्वागत किया।तथा उनके सफल एवं जनहितकारी कार्यकाल की कामना की। सीओ नानपारा चित्रांशु गौतम नें कहा कि मिल जुलकर नानपारा सर्किल में अमन और शांति के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया जायेगा। उन्होंने क्षेत्रीय लोगों से अफवाह पर ध्यान न देते हुए सर्किल क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम करने में पुलिस का सहयोग करने की अपील की।शिक्षक नेता अरविन्द वर्मा नें विश्वास व्यक्त किया की नवीन जिम्मेदारी संभालने के बाद सीओ श्री गौतम निष्पक्षता, पारदर्शिता और सम्बेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। इस अवसर पर विनोद कुमार गिरि उपाध्यक्ष/जिला सह मीडिया प्रभारी राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ बहराइच नें कहा कि स्थानीय पुलिस बल और आम जनमानस के बीच निष्पक्षता, संवाद और विश्वास सबसे जरुरी है।

दर्दनाक: सरयू में 12 वर्षीय मासूम को खींच ले गया घड़ियाल

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। अनाथ परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़, तीन मासूम जिंदगियों में एक हुआ कम, किशोर की दर्दनाक मौत से ग्रामीणों में पसरा मातम।

बहराइच जनपद के महसी क्षेत्र स्थित ग्राम पंचायत तिकुरी में शनिवार को एक हृदयविदारक हादसे ने पूरे इलाके को शोक में डुबो दिया। सरयू नदी किनारे धान की रोपाई के दौरान 12 वर्षीय सुनील सिंह को घात लगाए बैठे एक घड़ियाल ने अचानक दबोच लिया और देखते ही देखते गहरे पानी में खींच ले गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना के समय सुनील नदी किनारे धान की फसल लगाने हेतु खेत में मौजूद था। तभी अचानक घड़ियाल ने उस पर हमला कर दिया। मासूम की चीख सुनते ही उसके चाचा विजयराज सिंह बिना अपनी जान की परवाह किए नदी में कूद पड़े और घड़ियाल से संघर्ष कर बच्चे को बचाने का भरसक प्रयास किया। लेकिन घड़ियाल के तेज झटके के आगे उनकी कोशिश नाकाम रही और वह सुनील को नदी की गहराइयों में लेकर ओझल हो गया।

घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग, राजस्व विभाग और स्थानीय नाविकों की टीम मौके पर पहुंची और बड़े स्तर पर खोज अभियान शुरू किया। देर शाम तक नदी में लगातार तलाश जारी रही, लेकिन समाचार लिखे जाने तक मासूम का कोई सुराग नहीं मिल सका।

यह हादसा इसलिए भी बेहद मार्मिक है क्योंकि सुनील पहले से ही माता-पिता के साये से वंचित था। उसकी मां का सात वर्ष पहले और पिता का पांच वर्ष पहले निधन हो चुका था। अब परिवार के तीन छोटे भाई-बहनों के सिर से बड़े भाई का सहारा भी छिन गया है, जिससे पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

घटना के बाद पूरे तिकुरी गांव में मातम पसरा हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता, उचित मुआवजा तथा सरयू नदी के घड़ियाल प्रभावित क्षेत्रों में स्थायी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। साथ ही नदी किनारे चेतावनी बोर्ड, सुरक्षा बैरिकेडिंग और निगरानी बढ़ाने की भी अपील की है।

सरयू नदी के कहर में ग्रामीण अपना आशियाना स्वयं तोड़ने को मजबूर

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। जिले के वि0ख0 शिवपुर अंतर्गत सरयू नदी के कोख में समाया आशियाना, कई मकान निशाने पर, दर्जनों बीघा उपजाऊ भूमि नदी में समाई। खबर है कि शिवपुर ब्लाक क्षेत्र के बौंडी, तिगड़ा, अंबरपुर, चौकसाहार, झुंडी आदि गांव में कटान तेज हो गई है। दर्जनों बीघा उपजाऊ भूमि तथा आशियाना नदी के पेट में समा रहे हैं। मिली जानकारी के मुताबिक बौंडी, तिगड़ा, अंबरपुर में उपजाऊ भूमि तथा चौकसाहार में आशियाना नदी में समा गए। कई ऐसे मकान है जो कटने के कगार पर है। लिहाजा ग्रामीण खुद अपना मकान तोड़कर ईंट बचाने की जद्दोजहद कर रहे हैं। क्षेत्रीय लेखपाल राजकुमार ने बताया कि चौकसाहार में पटवारी का मकान नदी में कट गया है। चार से पांच मकान कटने के कगार पर है। हालांकि नदी का पानी कम हुआ है। लोगों को राहत पहुंचाई जा रही है। वहीं एक तरफ पीड़ित परिवारों के दर्द व आँसू साफ छलक रहे हैं, क्योंकि इतने परिश्रम से बनाया था अपना आशियाना अब खुद तोड़ने को हैं मजबूर।

गौरीगंज ब्लॉक कार्यालय में हंगामा

कनिष्ठ लिपिक पर अभद्रता का आरोप, पंचायत सचिव और प्रधान धरने पर बैठे

अमन लेखनी समाचार

रूपईडीहा, बहराइच। 42वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, बहराइच द्वारा अपने कार्यक्षेत्र अंतर्गत वाइब्रेंट विलेज सहजना में ग्रामीणों एवं उनके पशुधन के स्वास्थ्य संवर्धन के उद्देश्य से निःशुल्क पशु चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अपने पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार कराया।

शिविर में पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. शालिनी परिहार, कमांडेंट (पशु चिकित्सा) द्वारा पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक उपचार एवं औषधियाँ उपलब्ध कराई गईं। उन्होंने ग्रामीणों को पशुओं के संतुलित आहार, समय-समय पर टीकाकरण, स्वच्छता, संक्रामक रोगों से बचाव तथा उनकी नियमित देखभाल के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि स्वस्थ पशुधन ग्रामीण परिवारों की आर्थिक समृद्धि का आधार है, इसलिए पशुओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना अत्यंत आवश्यक है। चिकित्सा शिविर के दौरान कुल 31 ग्रामीण लाभान्वित हुए तथा उनके 88 पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया गया। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए सशस्त्र सीमा बल का आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाने की अपेक्षा जताई। इस अवसर पर श्री अभिषेक कुमार, सहायक कमांडेंट, 42वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, बहराइच भी उपस्थित रहे। उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर सशस्त्र सीमा बल द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों में संचालित विभिन्न नागरिक कल्याण कार्यक्रमों की जानकारी दी तथा ग्रामीणों को पशुपालन को वैज्ञानिक एवं सुरक्षित तरीके से अपनाने के लिए प्रेरित किया।

निगमकर्मी पर डीजल डाला-डंडों से पीटा

अतिक्रमण हटाने गई नगर निगम की टीम पर हमला, दुकानदार बोलाझ खुद पर डाला तेल

अमन लेखनी समाचार

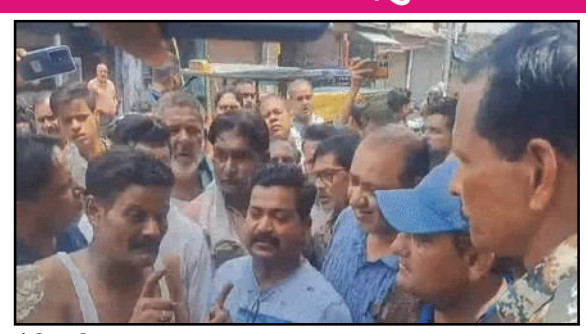

अलीगढ़ , दोपहर करीब 3 बजे बाहरद्वारी पर अतिक्रमण हटाने गई नगर निगम की प्रवर्तन टीम और दुकानदारों के बीच जमकर हंगामा हुआ। इस दौरान दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। दुकानदार का आरोप है कि नगर निगम की टीम ने उसके साथ बर्बरतापूर्वक मारपीट की और कपड़े फाड़ दिए, वहीं दूसरी तरफ नगर निगम के कर्मचारी ने आरोप लगाया है कि दुकानदार ने उसे जिंदा जलाने की नीयत से उसके ऊपर डीजल छिड़क दिया। इसकी जानकारी पर थाना बन्नादेवी पुलिस मौके पर पहुंच गई। उधर, नगर निगम ने दुकानदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

दुकानें खाली करने का नोटिस दिया था

दुकानदार गोपाल शर्मा का आरोप है कि कुछ समय पहले नगर निगम ने दुकानदारों को दुकानें खाली करने का नोटिस दिया था। इस मामले में न्यायालय में मुकदमा दायर किया गया था। इसमें उनकी जीत भी हुई थी। बावजूद इसके नगर निगम की टीम आ गई और दुकान को खाली कराने का दबाव बनाने लगी। इसका विरोध करने पर उनको डंडों से पीटा गया, जिसमें कपड़े फट गए और शरीर पर चोट भी आई हैं। नगर निगम के अधिकारियों को लिखित में दे रखा है कि अगर आपके पास कोर्ट का कोई वैध आदेश है तो आप हमें दिखाएं, हम खुद दुकान खाली कर देंगे। लेकिन आज ये लोग बिना किसी वैध कागजात के बुलडोजर लेकर आ गए और जबरदस्ती करने लगे।

दुकानदार बोला–खुद पर ही डाला था तेल

दुकानदार ने कहा- जब ये लोग नहीं माने और जबरदस्ती करने लगे, तो मैंने हताश होकर मिट्टी का तेल (केरोसिन) अपने ऊपर डालने की कोशिश की ताकि ये लोग पीछे हट जाएं। इसी दौरान उन्होंने मुझसे बोतल छीनने की कोशिश की, जिससे तेल उन पर भी गिर गया। अब वे उल्टा मुझ पर ही तेल फेंकने का झूठा इल्जाम लगा रहे हैं। गोपाल शर्मा ने चेतावनी दी है कि यदि इस मामले में नगर निगम की टीम के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की गई, तो सभी पीड़ित व्यापारी मुख्यमंत्री आवास के सामने जाकर सामूहिक आत्मदाह करने को विवश होंगे। दूसरी तरफ नगर निगम के प्रवर्तन दल के प्रभारी एमपी सिंह ने दुकानदारों के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है।

राहुल गांधी के वॉइस सैंपल का मिलान नहीं होगा

एमपी-एमएलए कोर्ट के फैसले को स्पेशल रिविजनल कोर्ट ने रखा बरकरार

अमन लेखनी समाचार

सुलतानपुर , एमपी-एमएलए कोर्ट से कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को एक बड़ी राहत मिली है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में चल रहे मानहानि केस में राहुल गांधी के वॉइस सैंपल (आवाज के नमूने) की जांच कराने की मांग वाली निगरानी याचिका को अदालत ने खारिज कर दिया है। राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ला ने बताया- एमपी-एमएलए कोर्ट संख्या 5 में इस मामले से संबंधित एक निगरानी याचिका विचाराधीन थी। कोर्ट ने परिवादी विजय मिश्रा की ओर से दाखिल की गई इस याचिका को निरस्त कर दिया है। दरअसल, यह याचिका इसलिए दायर की गई थी कि पत्रावली में संलग्न सीडी और राहुल गांधी की आवाज के नमूने का मिलान विधि विज्ञान प्रयोगशाला (फॉरेंसिक लैब) से कराया जाए। अदालत ने पाया कि यह प्रार्थना पत्र बेहद विलंब से दिया गया था, जो पूरी तरह से आधारहीन और बलहीन है। अदालत ने स्पष्ट किया कि निचली अदालत ने अपने विवेक का सही इस्तेमाल किया है और इसमें किसी हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। अब इस मामले की मूल पत्रावली पर अगली सुनवाई जिसमें नियमतः बहस सुनी जाएगी। हाई कोर्ट में देंगे चुनौतीवहीं दूसरी तरफ, परिवादी विजय मिश्रा के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने कोर्ट के फैसले पर अ कहा कि वे अदालत के इस फैसले का सम्मान करते हैं, लेकिन इससे संतुष्ट नहीं हैं। मजिस्ट्रेट कोर्ट ने पहले इस मांग को खारिज किया था, जिसके खिलाफ उन्होंने रिवीजन (निगरानी याचिका) दाखिल की थी, जिसे आज जिला जज की अदालत ने भी निरस्त कर दिया है। वे इस आदेश के खिलाफ हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे और इस फैसले को वहां चुनौती देंगे।

खेत की मेड़ विवाद में महिला से मारपीट

प्रतापगढ़ में जान से मारने की धमकी, 3 पर मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ , कुंडा कोतवाली क्षेत्र के खेमीपुर गांव में खेत की मेड़ के विवाद को लेकर एक महिला से मारपीट और अभद्रता का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर है। एफआईआर के अनुसार, पीड़िता सोनी शुक्ला ने आरोप लगाया है कि सुबह करीब 9:30 बजे गांव निवासी कमलेश शुक्ला अपने बेटों नागेंद्र उर्फ सोनू और मोनू उर्फ गगनदेव के साथ उसके घर पहुंचे। उन्होंने घर में घुसकर लाठी-डंडों और घूंसों से मारपीट की, जिससे महिला को कई चोटें आईं। महिला का आरोप है कि जब वह जान बचाने के लिए घर से बाहर भागी, तो आरोपियों में से एक युवक ने उसके बाल पकड़ लिए और उसके साथ अभद्रता करने का प्रयास किया। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद आरोपी वहां से चले गए। पीड़िता ने अपनी शिकायत में यह भी बताया है कि घटना का वीडियो स्थानीय लोगों ने अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड किया था, जो आज बुधवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। क्षेत्राधिकारी (सीओ) कुंडा शिव नारायण वैश्य ने बताया कि महिला की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

अपना दल (कमेरावादी) ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

किसानों की समस्याओं और प्रशासनिक विसंगतियों के समाधान की मांग

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ , अपना दल (कमेरावादी) ने करीब 1बजे उपजिलाधिकारी (एसडीएम) को तीन सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष रमेश चंद्र पटेल के नेतृत्व में कार्यकताओं ने किसानों की समस्याओं और प्रशासनिक विसंगतियों के समाधान की मांग की। ज्ञापन में प्रमुख रूप से प्रदेश के किसानों को पर्याप्त खाद उपलब्ध कराने की मांग की गई। इसके साथ ही खाद की कालाबाजारी और जमाखोरी पर प्रभावी रोक लगाने की भी अपील की गई। संगठन ने पेट्रोल-डीजल में एथेनॉल मिश्रण के नाम पर कथित मिलावट की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की मांग भी उठाई। एक अन्य मांग में सदर ब्लॉक के भोरई का पुरवा और डंडवा क्षेत्रों की प्रशासनिक स्थिति स्पष्ट करने को कहा गया। संगठन ने बताया कि यह क्षेत्र न तो किसी नगर पंचायत में शामिल है और न ही किसी ग्राम सभा का हिस्सा है, जिससे स्थानीय निवासियों को सरकारी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। संगठन ने इस समस्या के त्वरित समाधान की मांग की। जिलाध्यक्ष रमेश चंद्र पटेल ने चेतावनी दी कि यदि इन मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं की गई, तो संगठन लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने के लिए विवश होगा उपजिलाधिकारी ने ज्ञापन स्वीकार करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के लिए प्रेषित करने का आश्वासन दिया।

संक्षेप

किसान दिवस में अधिकारियों की अनुपस्थिति पर हंगामा

डीएम के हस्तक्षेप के बाद किसानों का गुस्सा शांत, समाधान का आश्वासन

बागपत, विकास भवन सभागार में आयोजित किसान दिवस के दौरान जमकर हंगामा हुआ। अधिकारी समय पर नहीं पहुंचे, जिससे नाराज किसान सभागार से बाहर आ गए और विरोध प्रदर्शन किया। किसानों ने आरोप लगाया कि अधिकारियों की अनुपस्थिति के कारण उनकी समस्याओं का समय पर समाधान नहीं हो पाता है। बढ़ते हंगामे को देखते हुए जिलाधिकारी (डीएम) अस्मिता लाल किसानों के बीच पहुंचीं। उन्होंने किसानों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं के समाधान में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को भी निर्देशित किया, जिसके बाद किसान दिवस की कार्यवाही शुरू हुई।किसान दिवस में किसानों ने गन्ना भुगतान में देरी, बिजली कटौती, आवारा पशुओं की समस्या और अन्य विभिन्न मुद्दों पर अधिकारियों से बातचीत की। जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने सभी समस्याओं के त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। इस दौरान किसान नेता प्रदीप धामा ने कहा कि अधिकारियों को किसान दिवस में समय पर उपस्थित रहना चाहिए और किसानों की समस्याओं के समाधान में कोई लापरवाही नहीं करनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अधिकारी भविष्य में किसान दिवस में समय पर नहीं पहुंचे, तो किसान इसका बहिष्कार करेंगे। अधिकारियों ने भी किसानों की समस्याओं के समय पर समाधान का वादा किया। किसान नेता विनोद कुमार ने धान बुवाई के मौजूदा समय में हो रही बिजली कटौती पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि विद्युत विभाग के अधिकारियों को इस संबंध में लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। इसके बाद, डीएम ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे किसी भी समस्या का तत्काल निवारण करें और कोई भी लापरवाही न करें।

नवोदय विद्यालय में पानी की किल्लत

बोरवेल खराब होने से छात्र-छात्राओं और स्टाफ को परेशानी

बागपत , सरफाबाद स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में पिछले पांच दिनों से पानी की गंभीर किल्लत बनी हुई है। विद्यालय की पानी की टंकी का बोरवेल खराब हो जाने के कारण 500 से अधिक छात्र-छात्राओं और स्टाफ को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।फिलहाल, पानी की आपूर्ति के लिए टैंकर मंगाए जा रहे हैं। विद्यालय में 500 से अधिक छात्र-छात्राएं शिक्षा ग्रहण करते हैं, और शिक्षक व अन्य स्टाफ भी परिसर में ही रहते हैं। बोरवेल खराब होने के बाद प्राचार्य ने तुरंत नगर पंचायत रटौल से पानी का टैंकर मंगवाया। इसके साथ ही, समस्या के आंशिक समाधान के लिए विद्यालय में एक सबमर्सिबल पंप भी लगवाया गया है।सबमर्सिबल पंप से राहत्छात्र मनीष ने बताया कि पानी की किल्लत सभी को प्रभावित कर रही है, चाहे वे शिक्षक हों या छात्र। पानी का उपयोग खाना बनाने, नहाने और अन्य दैनिक कार्यों के लिए होता है। छात्र अपनी खाने की थालियां भी पानी से धोते हैं। सबमर्सिबल पंप से कुछ हद तक राहत मिली है, लेकिन समस्या अभी भी पूरी तरह से हल नहीं हुई है।पानी का टैंकर भी मंगायाविद्यालय के प्राचार्य दुष्यंत कुमार ने बताया कि हिंडन नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण पानी की टंकी के बोरवेल में मिट्टी भर गई थी, जिससे यह समस्या उत्पन्न हुई।

राज्यपाल बोलीं-हम पढ़-लिख गए...लेकिन जाति-पाति से बाहर नहीं निकल पाए

राजर्षि टंडन यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट को मिले गोल्ड मेडल, डिजिलॉकर में डिग्रियां अपलोड

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज,राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा- हम आज इतने पढ़े-लिखे हो गए हैं, लेकिन जाति-पाति से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। ये बातें शुक्रवार को राज्यपाल ने उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (यूपीआरटीओयू) के 21वें दीक्षांत समारोह में कहीं।समारोह में राज्यपाल ने एक प्रेरक घटना सुनाते हुए कहा- एक सब्जी बेचने वाला रोज की तरह ठेला लगाकर घर लौट रहा था।रास्ते में झाड़ियों से नवजात बच्ची के रोने की आवाज सुनाई दी।तलाश करने पर उसे कपड़े में लिपटी दो-तीन दिन की बच्ची मिली, जिसे कोई वहां छोड़ गया था।उन्होंने बताया कि गरीब ठेलेवाला बच्ची को अपने साथ जिला अधिकारी के पास ले गया और कहा कि वह उसका पालन-पोषण करना चाहता है। उसने न जाति देखी, न धर्म और न ही अपना-पराया।उसने बच्ची को अपनी बेटी बनाकर पाला, पढ़ाया-लिखाया और उसे अच्छी शिक्षा दिलाई। आगे चलकर वही बच्ची अधिकारी बन गई। राज्यपाल ने कहा कि उन्होंने अखबार में उस सब्जी विक्रेता और अधिकारी बनी बेटी की तस्वीर देखी थी।समाज में ऐसे उदाहरण भी हैं, जो मानवता और संवेदनशीलता की मिसाल पेश करते हैं।लोगों को जाति-पाति के भेद से ऊपर उठकर इंसानियत को प्राथमिकता देनी चाहिए। दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने मेधावी छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक और उपाधियां भी प्रदान कीं। कुल 18 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल दिए गए, जिनमें 12 छात्राएं और 6 छात्र शामिल रहे।इसके अलावा 30,886 डिग्रियां डिजिटल माध्यम से अपलोड की गईं। समारोह में पद्मश्री एवं लोकगायिका मालिनी अवस्थी मुख्य अतिथि रहीं। इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी, कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी', विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम, शिक्षक, अधिकारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

बेकाबू बलेनो ने कई लोगों को मारी टक्कर

भीड़ ने पीछा कर चालक को पकड़ा और पीटा, दो साथी फरार; एक हिरासत में

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज ,शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे तेज रफ्तार बलेनो कार ने चौफटका के पास कई लोगों को टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक कार लेकर भागने लगा, लेकिन लोगों ने पीछा कर हरि स्वीट हाउस के पास उसे घेर लिया। सूचना पर पहुंची धूमनगंज थाना पुलिस ने चालक को हिरासत में लेकर कार कब्जे में ले ली, जबकि उसके दो साथी मौके से फरार हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, काले शीशों वाली कार में तीन युवक सवार थे। लोगों ने कई बार कार रोकने की कोशिश की, लेकिन चालक नहीं रुका। इस दौरान गुस्साए लोगों ने कार पर पथराव भी किया। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें चालक लोगों से माफी मांगता नजर आ रहा है।

चौफटका से शुरू हुआ पीछा

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बलेनो कार चौफटका के पास कई लोगों को टक्कर मारते हुए धूमनगंज की ओर भाग रही थी। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने कार का पीछा शुरू कर दिया। कई बार चालक को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन उसने रफ्तार और बढ़ा दी।पीछा करने के दौरान कुछ लोगों ने कार पर पत्थर भी फेंके, जिससे वाहन को मामूली नुकसान पहुंचा।

हरि स्वीट हाउस के पास भीड़ ने घेरा

स्थानीय लोगों ने हरि स्वीट हाउस के पास कार को घेरकर रोक लिया। इसके बाद चालक को कार से बाहर निकाल लिया गया।इस दौरान कुछ लोगों ने उसके साथ मारपीट भी की। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

शास्त्री नगर धरने में पहुंचे सरधना विधायक अतुल प्रधान

बीते दिन हुई की सुनवाई में राहत न मिलने पर जताया खेद, बोले जारी रहेगा प्रयास

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , शास्त्री नगर में सेटबैक विवाद को लेकर व्यापारियों का धरना-प्रदर्शन लगातार जारी है। सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई में व्यापारियों को सेटबैक मामले में कोई राहत नहीं मिलने के बाद सरधना विधायक अतुल प्रधान धरना स्थल पर पहुंचे, जहां उन्होंने प्रदर्शन में शामिल महिलाओं और व्यापारियों से मुलाकात की। पीड़ित परिवारों से मुलाकात के बाद सपा नेता अतुल प्रधान ने प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि विपक्ष लगातार इस मुद्दे को सदन से लेकर जनता के बीच उठा रहा है, लेकिन सरकार पूरी तरह संवेदनहीन बनी हुई है। उन्होंने कहा, ₹हमने विधानसभा में भी यह मामला उठाया और वरिष्ठ नेताओं ने भी सरकार का ध्यान इस ओर दिलाया, लेकिन सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। यह सरकार पूरी तरह नाकाम और संवेदनहीन है।₹ प्रधान ने कहा कि सेंट्रल मार्केट के जिन परिवारों पर कार्रवाई का असर पड़ा है, उनकी पीड़ा को समझा जाएगा और हर संभव मदद का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वह पहले भी पीड़ितों के बीच आए थे और अब दोबारा उनकी समस्याएं सुनने पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी स्तर पर ऐसे परिवारों को राहत पहुंचाने के लिए प्रयास किए जाएंगे। साथ ही सरकार से मांग की कि क्षेत्र के मंत्री, विधायक और सांसद राष्ट्रपति से समय लेकर प्रभावित परिवारों का पक्ष उनके सामने रखें। उन्होंने यह भी कहा कि वह स्वयं राष्ट्रपति से मिलने के लिए पत्र लिखेंगे और सभी विधायकों से भी इस संबंध में पत्र भेजने का आग्रह करेंगे, ताकि पीड़ित परिवारों को राहत और न्याय मिल सके।

25 साल की ननद ने भाभी को मार डाला

मेरठ में बोली- सीढ़ियों से गिरीं; रातभर नींद नहीं आई तो थाने पहुंचकर जुर्म कबूला

अमन लेखनी समाचार

मेरठ,पति से अवैध संबंधों के शक में ननद ने भाभी की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। वारदात के बाद घरवालों ने फर्श पर गिरने से मौत की कहानी गढ़कर मामला छिपाने की कोशिश की। लेकिन, पछतावा होने पर ननद 2 दिन बाद खुद पुलिस के पास पहुंच गई और हत्या करने की बात कबूल कर ली। ननद ने पुलिस को बताया, ₹मुझे रातभर नींद नहीं आई। मेरे पति और भाभी के बीच 4 साल से संबंध थे। मैंने भाभी से पति का पीछा छोड़ने को कहा। इस पर उसने जवाब दिया कि पहले अपने पति को संभालो। इसी बात पर गुस्से में आकर मैंने रसोई से चाकू उठाया और उसके सीने पर कई वार कर दिए। दोपहर करीब 3:30 बजे लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र के अहमदनगर में हुई इस वारदात में पुलिस ने ननद को गिरफ्तार कर हत्या में इस्तेमाल चाकू बरामद कर लिया। वहीं, खुलासे के बाद मृतका के पति समेत ससुरालवाले फरार हैं। अहमदनगर गली नंबर-2 में रहने वाले हाजी जाहिद शहर में एंपायर टेलर्स के नाम से दुकान चलाते हैं। करीब 40 साल से वह इस कारोबार से जुड़े हैं। उनके परिवार में 2 बेटे शाहवेज और शाजेब और एक बेटी रिश्शा है। सुभाष बाजार स्थित पहली दुकान पर हाजी जाहिद खुद बैठते हैं, जबकि अहमदनगर स्थित दूसरी ब्रांच शाहवेज संभालता है। करीब 6 साल पहले शाहवेज का निकाह किदवईनगर में रहने वाली निदा उर्फ सोनी (28) से हुआ था। दोनों के 2 बच्चे हैं। वहीं, रिश्शा (25) की शादी अहमदनगर से करीब 3 किलोमीटर दूर करीमनगर में रहने वाले ओवेश से हुई है। ओवेश ऑनलाइन कपड़ों का कारोबार करता है।पड़ोसियों के मुताबिक, कपड़ों के कारोबार की वजह से ओवेश का शाहवेज के घर आना-जाना था। इसी दौरान उसकी निदा से नजदीकियां बढ़ीं। करीब 8 महीने पहले शाहवेज ने अपनी बहन रिश्शा की शादी ओवेश से करा दी। इसके बाद भी ओवेश और निदा के बीच बातचीत जारी रही। इस पर रिश्शा कई बार आपत्ति जताती थी।रिश्शा ने पुलिस को बताया कि घटना वाले दिन (रविवार को) उसने भाभी को अपने पति से बात करते देख लिया था।। उसने किचन में भाभी से कहा कि उसके पति का पीछा छोड़ दे। इस पर निदा ने जवाब दिया, ₹पहले अपने पति को संभालो, दूसरे पर आरोप बाद में लगाना।

सीसीटीवी की मदद से पकड़े गए ई-रिक्शा चोर

मेरठ में चोरी की ई-रिक्शा बरामद, न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया

अमन लेखनी समाचार

मेरठ,लगातार सामने आ रहे ई-रिक्शा चोरी के मामलों के बीच लालकुर्ती पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और चेकिंग अभियान की मदद से चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से चोरी किया गया ई-रिक्शा भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, 14 जुलाई को पीएल शर्मा रोड निवासी मुकेश सोनकर ने आरोग्य हॉस्पिटल के सामने नाला रोड से अपना ई-रिक्शा चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। इस पर लालकुर्ती थाने में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की।जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए और संदिग्धों की पहचान की गई। इसके बाद पुलिस ने इंडियाना बार से पहले तिराहे के पास चेकिंग के दौरान आमिर (20) और अरबाज (19) को गिरफ्तार कर लिया। दोनों लिसाड़ी गेट क्षेत्र के रहने वाले हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी किया गया ई-रिक्शा भी बरामद कर लिया।पुलिस का कहना है कि पूछताछ में दोनों आरोपी की पहले भी चोरी की घटनाओं को अंजाम देने की बात सामने आई है। उनसे अन्य वारदातों के संबंध में भी पूछताछ की जा रही है। दोनों के खिलाफ आवश्यक

कानूनी कार्रवाई कर उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है।यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक नगर, क्षेत्राधिकारी कैंट और थाना प्रभारी लालकुर्ती के नेतृत्व में की गई।

नौकरी दिलाने के नाम पर 4 करोड़ की साइबर ठगी

गाजियाबाद में फर्जी कॉल सेंटर पर छापा, 17 युवतियों समेत 20 गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद स्वाट टीम और साहिबाबाद पुलिस ने नौकरी दिलाने के नाम पर साइबर ठगी करने वाले एक बड़े गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने फर्जी कॉल सेंटर चलाने वाले गैंग के 17 युवतियों समेत 20 आरोपियों को गिरफ्तार किया है शुरूआती जांच में सामने आया है कि गिरोह पिछले दो वर्षों से राजेंद्र नगर में अवैध कॉल सेंटर संचालित कर रहा था और अब तक 4 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी कर चुका है। मामले का खुलासा दोपहर करीब दो बजे डीसीपी ट्रांस हिंडन धवल जायसवाल ने पुलिस लाइन में प्रेसवार्ता के दौरान किया। डीसीपी ने बताया- मुख्य आरोपी पीयूष जैन बीटेक पास है। उसकी 'जैनसन इंटरनेशनल' नाम से एक रजिस्टर्ड कंपनी है, जिसके जरिए मखाने का कारोबार दिखाया जाता था।इसी कंपनी की आड़ में पीयूष जैन, उसकी पत्नी हिना, मामा सुनील जैन और सलीम मिलकर फर्जी कॉल सेंटर चला रहे थे। कॉल सेंटर में युवक-युवतियों को नौकरी पर रखकर बेरोजगारों से रजिस्ट्रेशन फीस, प्रोसेसिंग फीस और इंटरव्यू के नाम पर रकम वसूली जाती थी। पूछताछ में कॉल सेंटर कर्मचारियों ने बताया कि बेरोजगार युवाओं का डेटा और जैसी वेबसाइटों से चोरी किया जाता था। कुछ डेटा सेटिंग के जरिए खरीदा भी जाता था।इसके बाद डेटा को पेन ड्राइव में डालकर कॉलिंग करने वाली युवतियों को दिया जाता था। वे नौकरी का झांसा देकर लोगों से पैसे वसूलती थीं। इंटरव्यू की औपचारिकता पूरी कर फर्जी जॉइनिंग लेटर तक जारी किए जाते थे। इस पूरे खेल में फर्जी आईडी पर जारी सिम कार्ड इस्तेमाल किए जाते थे, जिनकी व्यवस्था आरोपी सलीम करता था।बीसीए-बीबीए पास युवतियां भी गैंग में शामिलपुलिस के अनुसार गिरफ्तार 17 युवतियों में कई बीसीए और बीबीए जैसी प्रोफेशनल डिग्रीधारी हैं, जबकि कुछ 12वीं पास हैं। इन्हें 15 हजार से 30 हजार रुपये तक मासिक वेतन नकद दिया जाता था, ताकि बैंकिंग रिकॉर्ड न बने। पुलिस ने बताया कि यदि कोई पीड़ित नौकरी न मिलने पर शिकायत करने कॉल सेंटर पहुंचता था तो उसे ऑफिस में बंद कर धमकाया और मारपीट तक की जाती थी।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 12 लैपटॉप, 23 स्मार्टफोन, 12 कीपैड मोबाइल, 47 सिम कार्ड, 16 डेबिट कार्ड, 10 फर्जी मुहरें, 8 चेकबुक बरामद की हैं।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 12 लैपटॉप, 23 मार्टफोन, 12 कीपैड मोबाइल, 47 सिम कार्ड, 16 डेबिट कार्ड, 10 फर्जी मुहरें, 8 चेकबुक बरामद की हैं।

ललिता गौतम हत्याकांड में पीएसी जवान अंकित चौधरी गिरफ्तार

मुरादाबाद पीएसी से लिया गया हिरासत में, हत्या वाले दिन आया था मेरठ, जेल भेजा

अमन लेखनी समाचार

मेरठ ,ललिता गौतम हत्याकांड में अंकुश चौधरी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसके भाई अंकित चौधरी को भी गिरफ्तार कर लिया है। अंकित चौधरी मुरादाबाद पीएसी में तैनात है, जहां से पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया और मेरठ लेकर आ गई। चर्चा है कि सुबह पुलिस ने गुपचुप तरीके से अंकित चौधरी को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। रोहटा थाना क्षेत्र के थिरोट गांव की 20 वर्षीय ललिता गौतम बीए तृतीय वर्ष की छात्रा थी। वर्तमान में वह परिवार के साथ टीपी नगर थाना क्षेत्र के गगन एनक्लेव में किराए पर रह रही थी। 15 मई को परीक्षा देने के लिए घर से निकली लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटी। परिजनों ने उसकी तलाश की मगर उनका कोई पता नहीं चला। 16 मई को परिवार ने दर्ज कराई गुमशुदगी परिजनों ने 16 मई को थाना टीपी नगर में गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू की और आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। पुलिस को सीसीटीवी फुटेज में ललिता गांव कल्याणपुर निवासी अंकुश चौधरी नाम के युवक के साथ दिखाई दी। अंकुश चौधरी को किया गया गिरफ्तार पुलिस ने अंकुश को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने ललिता की हत्या करने की बात कबूल कर ली। पुलिस ने बताया कि अंकुश और ललिता के बीच दोस्ती थी। घटना वाले दिन दोनों साथ थे। इसी दौरान आरोपी ने ललिता के मोबाइल फोन में कुछ फोटो और चैट देखीं, जिसके बाद उसे शक हुआ। इसी शक के चलते आरोपी ने ललिता की हत्या कर दी और शव को मेरठ के रोहटा थाना क्षेत्र के उकसिया में गन्ने के खेत में फेंक दिया। गन्ने के खेत से बरामद किया गया शव अंकुश के खुलासे के बाद पुलिस ने उस गांव का रुख किया, जहां शव होने की बात बताई गई थी। कुछ देर में पुलिस ने खेत से ललित गौतम का शव बरामद भी कर लिया। उसके बाद परिवार में कोहराम मच गया। हत्या में अन्य लोगों के शामिल होने की भी बात कही। कई दिन हंगामे होते रहे। आखिरकार पुलिस ने इस मामले में अंकुश चौधरी के भाई अंकित चौधरी जो पीएसी मुरादाबाद में तैनात है, का नाम भी मुकदमे में शामिल किया। देर रात गिरफ्तार करने की सूचना पुलिस अभी तक मान रही थी कि अंकित चौधरी ने साक्ष्य मिटाने का काम किया है लेकिन जिस तरह की जानकारी जांच में सामने आई है।

देश के 42 शहरों में स्वच्छ हवा की जंग

नोएडा के हर सर्किल की होगी अलग परीक्षा, 3 से 10 लाख की श्रेणी में है शामिल

अमन लेखनी समाचार

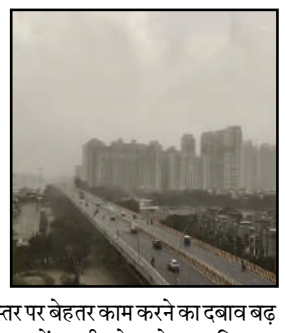

नोएडा,देश के 42 शहरों के बीच स्वच्छ हवा को लेकर शुरू हुई प्रतिस्पर्धा इस बार पहले से ज्यादा चुनौतीपूर्ण हो गई है। अब केवल शहर या नगर निकाय के प्रदर्शन के आधार पर रैंकिंग तय नहीं होगी, बल्कि शहर के अलग-अलग वर्क सर्किल और वार्ड में वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए किए गए कार्यों का भी अलग से मूल्यांकन किया जाएगा। इससे स्थानीय स्तर पर बेहतर काम करने का दबाव बढ़ गया है। इसका परिणाम मिनिस्ट्री ऑफ इनवायरमेंट जारी करेगा।नोएडा प्राधिकरण भी इस प्रतियोगिता में शामिल है। प्राधिकरण का सिविल विभाग अपने-अपने वर्क सर्किल में धूल नियंत्रण, सड़क सफाई, निर्माण स्थलों पर प्रदूषण रोकने के उपाय, ग्रीन कवर बढ़ाने और अन्य गतिविधियों का पूरा ब्योरा तैयार कर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के पोर्टल पर अपलोड कर रहा है। विभागीय रिपोर्ट के साथ अब हर सर्किल और वार्ड के प्रदर्शन का भी रिकॉर्ड भेजा जा रहा है। मूल्यांकन मे क्या किया गया बदलावदर असल, इस बार मूल्यांकन प्रणाली में बड़ा बदलाव किया गया है।

बाइक चोर-स्नैचर गैंग का पर्दाफाश

जंगल में चोरी के वाहन छिपाने वाले 4 गिरफ्तार, राहगीरों को सस्ते दाम पर बेचते थे

अमन लेखनी समाचार

नोएडा , सेक्टर-24 थाना पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी और मोबाइल स्नैचिंग करने वाले एक शातिर गैंग का पदार्फाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक बाल अपचारी को भी अभिरक्षा में लिया है। आरोपियों के कब्जे और निशानदेही पर चोरी की 7 बाइक-स्कूटी, 3 मोबाइल फोन, 4 अवैध चाकू, दो टूटी नंबर प्लेट और 1200 रुपये नकद बरामद किए गए हैं।एडीसीपी मनीषा सिंह ने बताया कि मैनुअल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर सेक्टर-11 स्थित मदर डेयरी के पास गंदे नाले के पुस्ते से जितेंद्र, अरबाज और अभिषेक शाह को गिरफ्तार किया। तीनों की उम्र 18 से 19 वर्ष के बीच है और वर्तमान में दिल्ली के दल्लूपुरा क्षेत्र में रहते थे।

रेकी कर करते थे वारदात

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे पहले भीड़भाड़ वाले इलाकों और घरों के बाहर खड़ी बाइक-स्कूटी की रेकी करते थे। मौका मिलते ही वाहन चोरी कर लेते और राह चलते लोगों से मोबाइल फोन छीन लेते थे।

जंगल में छिपाते थे चोरी के वाहन

गिरोह चोरी के वाहनों को सेक्टर-54 के जंगल और झाड़ियों में छिपाकर रखता था। बाद में नंबर प्लेट तोड़कर खुद को मजबूर बताकर राहगीरों को सस्ते दामों में बेच देता था। मोबाइल और वाहनों की बिक्री से मिलने वाले पैसे आपस में बराबर बांटकर शौक पूरे करते थे। वारदात के दौरान लोगों को डराने के लिए आरोपी अपने पास अवैध चाकू रखते थे।

4 मंजिला बिल्डिंग में आग, 2 जिंदा जले

नोएडा में सीढ़ियों के सहारे 50 परिवारों को बचाया, स्कूटी चार्जिंग के दौरान धमाके से आग लगी

अमन लेखनी समाचार

नोएडा , सुबह 11 बजे 4 मंजिला बिल्डिंग में आग लग गई। हादसे में 2 लोग जिंदा जल गए। एक बच्चा और एक युवती गंभीर रूप से झुलस गए। फायर ब्रिगेड ने सीढ़ियों के सहारे 50 परिवारों का रेस्क्यू किया पुलिस की शुरूआती जांच में पता चला है कि बिल्डिंग के बेसमेंट में इलेक्ट्रिक स्कूटी चार्ज हो रही थी। इसी दौरान उसमें धमाका हुआ और आग लग गई। देखते ही देखते आग पूरी बिल्डिंग में फैल गई। 30 से 40 बाइकें जलकर राख हो गईं। धुआं उठता देखकर बिल्डिंग के आसपास रहने वाले सैकड़ों लोग सड़क पर आ गए। बिल्डिंग के निचले हिस्से में फंसे लोग बाहर निकल गए, लेकिन ऊपरी मंजिलों पर रहने वाले लोग फंस गए। सूचना पर फायर ब्रिगेड की 7 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, लेकिन भीड़ और संकरी गलियों के चलते वे बिल्डिंग तक नहीं पहुंच सकीं। ऐसे में गाड़ियों को सड़क पर ही खड़ा करना पड़ा। इसके बाद पाइप जोड़कर आग पर काबू पाया गया। इसमें करीब 3 घंटे लगे। फायर ब्रिगेड कर्मियों ने जिस बिल्डिंग में आग लगी थी, उसकी छत से सामने वाली बिल्डिंग तक सीढ़ियां लगाकर पुल बनाया। फिर उसके सहारे लोगों को दूसरी बिल्डिंग में सुरक्षित पहुंचाया। पुलिस ने बिल्डिंग मालिक को हिरासत में ले लिया है।

युवा वैज्ञानिक राहुल सिंह के निधन पर डीएम-एसपी ने परिजनों से मिल जताई संवेदना.

हैप्पी नायक की रिपोर्ट

महराजगंज। लखनऊ में असामयिक निधन का शिकार हुए युवा वैज्ञानिक राहुल सिंह के पैतृक आवास पर शुक्रवार को शोक व्यक्त करने वालों का तांता लगा रहा। इस दौरान जिलाधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल और पुलिस अधीक्षक शक्ति मोहन अवस्थी ने परिवार से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की तथा उन्हें ढांढस बंधाया। दोनों अधिकारियों ने राहुल सिंह के निधन को केवल परिवार या जनपद ही नहीं, बल्कि देश के वैज्ञानिक समुदाय के लिए भी एक बड़ी क्षति बताया। उन्होंने कहा कि प्रतिभाशाली युवा वैज्ञानिक का इस तरह असमय चले जाना अत्यंत दुखद है और उनकी उपलब्धियां हमेशा प्रेरणा देती रहेंगी। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने शोकाकुल परिजनों को आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन पूरी संवेदनशीलता के साथ उनके साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि परिवार को हरसंभव प्रशासनिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी तथा प्रकरण से जुड़े सभी आवश्यक पहलुओं पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। राहुल सिंह के आवास पर दिनभर जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों तथा क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोगों का आना-जाना लगा रहा। सभी ने दिवंगत युवा वैज्ञानिक को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोक संतप्त परिवार को इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की कामना की। राहुल सिंह के निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। उन्हें जानने वाले लोग उनकी प्रतिभा, सरल स्वभाव और वैज्ञानिक क्षेत्र में उनके योगदान को याद कर भावुक नजर आए।

नीट में गौरी सिंह ने लहराया परचम, ऑल इंडिया रैंक 344 लाकर बढ़ाया जिले का मान

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। विकासखंड सुरसा के लालपालपुर निवासी शिक्षक अमर बहादुर सिंह एवं गृहिणी श्रीमती (रेखा सिंह) की पुत्री गौरी सिंह ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (ठएएळ) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 611 अंक प्राप्त किए हैं। गौरी सिंह ने ऑल इंडिया रैंक 344 हासिल कर न केवल अपने परिवार, बल्कि क्षेत्र और जिले का भी नाम गौरवान्वित किया है। गौरी सिंह की इस शानदार सफलता पर परिवार में खुशी का माहौल है। उनके चाचा समर बहादुर सिंह ने बताया कि गौरी सिंह बचपन से ही मेधावी छात्रा रही हैं। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने के बाद लखनऊ में रहकर नीट परीक्षा की तैयारी की और कठिन परिश्रम, अनुशासन तथा लगन के बल पर यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। उन्होंने बताया कि गौरी सिंह की सफलता से पूरे परिवार में उत्साह का वातावरण है। परिजनों ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया और उनकी उज्ज्वल सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। क्षेत्रवासियों, शुभचिंतकों और परिचितों ने भी गौरी सिंह को बधाई देते हुए इसे क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक उपलब्धि बताया।

घर-घर पहुंचाएंगे डायरिया से बचाव के सन्देश

सीएमओ ने प्रचार वाहनों को दिखाई हरी झंडी

कहा– बच्चों को डायरिया से बचाने के लिए जागरूकता जरूरी

अमन लेखनी समाचार

कानपुर, 18 जुलाई। डायरिया के प्रति जन जागरूकता के लिए शुक्रवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरि दत्त नेमी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से तीन प्रचार वाहनों को रवाना किया। यह प्रचार वाहन जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर समुदाय को शून्य से पांच साल तक के बच्चों में डायरिया के लक्षण, कारण और बचाव आदि के बारे में प्रचार-प्रसार करेंगे। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि शून्य से पांच साल तक के बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाने के लिए जनजागरूकता बहुत जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए डायरिया के प्रति जागरूकता सम्बन्धी संदेशों वाले पोस्टर-बैनर से सुसज्जित यह प्रचार वाहन जन-जन तक डायरिया से डरने नहीं बल्कि सतर्क रहने का सन्देश पहुंचाएंगे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि जिले में 25 जून से 25 अगस्त तक डायरिया रोको अभियान चलाया जा रहा है। डायरिया रोको अभियान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू भी ह्लडायरिया से डर नहींह्व कार्यक्रम के माध्यम से सहयोग कर रहे हैं। अभियान की इस साल की थीम-ह्लस्वच्छ जल, समुचित उपचार- डायरिया से बचें हर बारह्व तय की गयी है। अभियान का उद्देश्य बच्चों में डायरिया की रोकथाम, ओआरएस व जिंक के उपयोग को प्रोत्साहन और समुदाय में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना है। एसीएमओ व आरसीएच नोडल अधिकारी डॉ. रमित रस्तोगी का कहना है कि बारिश और उमस में बच्चा डायरिया की चपेट में कई कारणों से आ सकता है, जैसे- दूषित जल पीने से, दूषित हाथों से भोजन बनाने या बच्चे को खाना खिलाने, खुले में शौच करने या बच्चों के मल का ठीक से निस्तारण न करने आदि से। इसलिए शौच और बच्चों का मल साफ करने के बाद, भोजन बनाने और खिलाने से पहले हाथों को साबुन-पानी से अच्छी तरह अवश्य धुलें। डायरिया का सही इलाज ओआरएस का घोल और जिंक के टेबलेट हैं, जिन्हें उम्र के अनुसार निश्चित अवधि तक जरूर दें। उन्होंने कहा कि बच्चे को दिन भर में तीन या तीन से अधिक बार दस्त हो तो समझना चाहिए कि बच्चा डायरिया से ग्रसित है और ऐसे में उसको तत्काल ओआरएस का घोल देना चाहिए ताकि शरीर में पानी की कमी न होने पाए, साथ ही निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क करना चाहिए। इस मौके पर एसीएमओ नोडल डॉ. कैलाश चंद्रा एवं एसीएमओ डॉ. एस पी यादव, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक अश्वनी गौतम, डीसीपीएम योगेन्द्र, यूएचसी मिलिंद गौतम, कमरूल अमीन अंसारी, सीएमओ कार्यालय के अधिकारी व कर्मचारी के अलावा पीएसआई इंडिया से राम कुमार तिवारी व अन्नू अग्रवाल भी मौजूद रहे।

खास समाचार

शराब के नशे में घर में घुसकर मारपीट का आरोप, दंपती पर मुकदमा दर्ज

महिला की तहरीर पर कासिमपुर पुलिस ने बी एन एस की विभिन्न धाराओं में दर्ज किया केस, जांच शुरू

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। कासिमपुर थाना क्षेत्र के ग्राम तलौली में एक महिला के साथ मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़िता की तहरीर पर कासिमपुर पुलिस ने गांव के ही एक दंपती के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, ग्राम तलौली निवासी प्रिया पत्नी श्याम जी ने दी गई तहरीर में बताया कि 14 जुलाई 2026 को दोपहर करीब 2:30 बजे गांव के संदीप पुत्र शिवकुमार और उसकी पत्नी सुनीता कथित रूप से शराब के नशे में उनके घर पहुंचे। आरोप है कि दोनों ने आते ही प्रिया, उनकी मां चम्पा पत्नी फूलचन्द्र तथा फूलचन्द्र पुत्र बच्चा लाल के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। पीड़िता का आरोप है कि विरोध करने पर दोनों आरोपियों ने लात-घूंसों और लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे उन्हें और उनके परिजनों को चोटें आईं। आरोपियों ने जाते समय पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी, जिससे परिवार दहशत में है। घटना के अगले दिन 15 जुलाई को पीड़िता ने कासिमपुर थाने में लिखित शिकायत देकर आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। तहरीर के आधार पर पुलिस ने संदीप और सुनीता के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 115(2), 352 और 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। कासिमपुर पुलिस ने बताया कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। सभी पक्षों के बयान और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

शराब के नशे में पति बना हैवान, सिलबट्टे से वार कर पत्नी की हत्या

घरेलू विवाद के दौरान वारदात, आरोपी फरार

अमन लेखनी समाचार

कासिमपुर। कासिमपुर थाना क्षेत्र के हत्यारी दमपुर गांव में शुक्रवार शाम घरेलू विवाद ने खूनी रूप ले लिया। आरोप है कि शराब के नशे में धुत एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की सिलबट्टे से सिर पर ताबड़तोड़ वार कर निर्मम हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। वारदात से पूरे गांव में दहशत और सनसनी फैल गई। पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान मोनी (35) पत्नी कुंज बिहारी के रूप में हुई है। परिजनों और ग्रामीणों का कहना है कि कुंज बिहारी शराब पीने का आदी था और आए दिन पत्नी के साथ मारपीट करता था। शुक्रवार शाम करीब सात बजे किसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते हिंसक हो गई। आरोप है कि गुस्से में आरोपी ने घर में रखे सिलबट्टे से पत्नी के सिर पर कई वार कर दिए। गंभीर चोट लगने से मोनी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी पति घर से फरार हो गया। बताया जा रहा है कि दंपति का एक बच्चा है, जो फिलहाल परिजनों के साथ दिल्ली में रह रहा है। घटना की सूचना मिलते ही कासिमपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने साक्ष्य जुटाने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक घनश्याम राम ने बताया कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें गठित कर दी गई हैं और उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया जाएगा।

हरदोई की दो बेटियों ने बढ़ाया मान, रंजना और अंजलि बनीं यूपी पुलिस की सब-इंस्पेक्टर...

अमन लेखनी समाचार

हरदोई में मेहनत,लगन और मजबूत इरादों के दम पर हरदोई की दो बेटियों ने बड़ी कामयाबी हासिल कर जिले का गौरव बढ़ाया है।सुरसा ब्लॉक के ढोलिया गांव की रहने वाली रंजना और खुटेहना गांव की अंजलि का चयन उत्तर प्रदेश पुलिस में सब-इंस्पेक्टर पद पर हुआ है।सफलता की खबर मिलते ही दोनों गांवों में खुशी का माहौल बन गया। परिजनों, रिश्तेदारों और ग्रामीणों ने मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की। दोनों बेटियों की उपलब्धि को क्षेत्र के लोग नई पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक बता रहे हैं। रंजना एक साधारण परिवार से आती हैं। उनके पिता गांव में छोटी किराना दुकान चलाते हैं, जबकि मां गृहिणी हैं। आर्थिक चुनौतियों के बावजूद उन्होंने पढ़ाई जारी रखी और अपने लक्ष्य पर डटी रहीं।वहीं किसान राममूर्ति की बेटी अंजलि ने वर्ष 2024 की पुलिस कांस्टेबल भर्ती में रनिंग टेस्ट में असफल होने के बाद भी हार नहीं मानी।लगातार मेहनत और आत्मविश्वास के दम पर उन्होंने वर्ष 2025 की सब-इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा में सफलता हासिल कर खाकी पहनने का सपना पूरा कर लिया। दोनों बेटियों ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, गुरुजनों और परिवार के सहयोग को दिया। रंजना के सम्मान में स्वामी रामकृष्ण परमहंस इंटर कॉलेज में समारोह आयोजित किया गया, जहां शिक्षकों और क्षेत्रीय लोगों ने उन्हें सम्मानित किया। दोनों की सफलता ने साबित कर दिया कि कठिन परिस्थितियां कभी भी सपनों के आड़े नहीं आतीं। मजबूत इरादे और निरंतर मेहनत से हर मंजिल हासिल की जा सकती है।

ट्रेन की टक्कर लगने से मजदूर की मौत

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। कोतवाली देहात क्षेत्र के कोढवा गांव के पास गुरुवार देर शाम बुजुर्ग की ट्रेन की टक्कर लगने से मौत हो गई।सूचना पाते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए परिजनों को सूचना दी।जिसके बाद शव का पोस्टमार्टम कराया। कोतवाली क्षेत्र के मोहनपुरवा निवासी सियाराम 50 पुत्र श्यामलाल फ्लोर मील में पल्लेदारी का काम करतें थे। पुत्र सुमित ने बताया गुरुवार की शाम के समय मजदूरों से मिलने के लिए उनके गांव कोतवाली देहात के मंगोलापुर जाने की बात कहकर घर से पैदल निकलें थे।देर शाम कोतवाली पुलिस ने घटना की सूचना देते हुए बताया कि कोढवा गांव के पास ट्रेन की टक्कर लगने से मौत हो गई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया। शुक्रवार को पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया। म्रतक की पत्नी सरिभा के अलावा दो पुत्र और एक पुत्री है।

बीजपुर पुलिस की ताबड़तोड़ कार्रवाई, तीन वारंटी गिरफ्तार, न्यायालय रवाना

अमन लेखनी समाचार

बीजपुर (सोनभद्र) वारंटियों एवं अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बीजपुर पुलिस ने गुरुवार सुबह कार्रवाई करते हुए तीन वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रुणवाल एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी विनय प्रभाकर साहनी के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने थाना बीजपुर में दर्ज मु.नं. 2296/09 (धारा 419, 420 भादवि) से संबंधित वारंटी रामजनम (48 वर्ष) पुत्र संतलाल तथा तेजबली (54 वर्ष) पुत्र रामरतन जायसवाल, निवासी ग्राम पिंडारी, को गुरुवार सुबह लगभग 8:10 बजे उनके घर से गिरफ्तार किया गया। इसके बाद पुलिस ने मु.नं. 3208/19 (धारा 323, 504, 506 भादवि) से संबंधित वारंटी बेचनराम (60 वर्ष) पुत्र स्व. रामदास उर्फ दासाराम, निवासी कस्बा बीजपुर, को सुबह करीब 8:56 बजे उसके आवास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारी की समस्त कार्रवाई माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए की गई। तीनों वारंटियों को आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश कर दिया गया। कार्रवाई में शामिल पुलिस टीम में उपनिरीक्षक सुरेन्द्र सिंह, उपनिरीक्षक दीनानाथ राम, हेड कांस्टेबल भानू प्रताप यादव, आरक्षी देवकरन तथा प्रकाश कुमार शामिल रहे।

दर्दनाक सड़क हादसा बाइक सवार युवक की हुई मौत, जांच में जुटी पुलिस

अमन लेखनी समाचार

महराजगंज जनपद के भिटौली थाना क्षेत्र अन्तर्गत शिकारपुर पुलिस चौकी से महज 100 मीटर की दूरी पर एनएच-730 स्थित भीसवा माइनर के पास बुधवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। युवक सब्जियां लेकर अपने घर लौट रहा था कि अचानक उसकी बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई।हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक ने इलाज के लिए गोरखपुर ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार, सदर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कृतपिपरा निवासी राजीव नायक पुत्र कैलाश नायक बाइक संख्या वढ 56 अठ 9657 (प्लेटिना) से सब्जियां लेकर महराजगंज की तरफ अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही वह शिकारपुर पुलिस चौकी से करीब 100 मीटर आगे भीसवा माइनर ए टी एम के सामने पहुंचे, किसी कारणवश उनकी बाइक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। हादसे में उन्हें गंभीर चोटें आईं और वह अचेत अवस्था में सड़क पर पड़े रहे। रात करीब पौने 11 बजे राहगीरों ने घटना की सूचना शिकारपुर पुलिस चौकी को दी। सूचना मिलते ही चौकी पर तैनात उपेंद्र दीवान पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और तत्काल एम्बुलेंस की मदद से घायल को जिला अस्पताल महराजगंज भिजवाया। जिला अस्पताल के चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए उन्हें बीआरडी मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर रेफर कर दिया। लेकिन गोरखपुर ले जाते समय रास्ते में ही राजीव ने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही शिकारपुर चौकी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए महराजगंज स्थित मर्चरी हाउस भेज दिया। दुर्घटनाग्रस्त बाइक को भी पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर चौकी परिसर में खड़ा करा दिया है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच में जुटी है। राजीव नायक की असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वह अपने पीछे पत्नी, एक बेटा और एक बेटी छोड़ गए हैं। परिवार का सहारा छिन जाने से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। अब भिटौली पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि हादसा केवल बाइक फिसलने से हुआ या इसके पीछे कोई अन्य कारण भी था।

ककरवई सहकारी समिति पर किसानों को वितरित की गई डीएपी खाद

अमन लेखनी समाचार

गरौठा (झांसी)। ब्लॉक बामौर अंतर्गत ककरवई बहुउद्देशीय प्राथमिक साधन सहकारी समिति पर शुक्रवार को किसानों को डीएपी खाद का वितरण किया गया। खाद वितरण के दौरान किसान शांतिपूर्वक अपनी आवश्यकता के अनुसार डीएपी प्राप्त करते रहे। समिति अध्यक्ष संदीप सिंह परिहार ने बताया कि वर्तमान समय में किसान सीमित संख्या में खाद लेने के लिए समिति पर पहुंच रहे हैं, जिससे किसी प्रकार की अव्यवस्था नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि समिति पर डीएपी खाद का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और किसानों को आवश्यकता के अनुसार खाद उपलब्ध कराई जा रही है। किसानों को खाद वितरण पूरी पारदर्शिता और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार किया जा रहा है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और बिना किसी जल्दबाजी के अपनी जरूरत के अनुसार समिति से खाद प्राप्त करें। समिति पर पर्याप्त मात्रा में डीएपी उपलब्ध होने के कारण किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। इस अवसर पर समिति सचिव श्याम प्रकाश मिश्रा सहित क्षेत्र के अनेक किसान मौजूद रहे।

एआई तकनीक सीखने वालों के लिए सर्वाधिक अवसर बनेंगे:--- प्रो0 आशुतोष कुमार सिंह

मीडिया न्यूजरूम को बदलें में एआई की भूमिका अहम:---- विजय मनोहर तिवारी

एमसीयू में एआई एफडीपी का समापन

अमन लेखनी समाचार

भोपाल। ज्ञान की महत्ता सर्वोपरि होती है। मानवीय चेतना और बुद्धि का विकल्प एआई नहीं हो सकती है। तकनीकें बदलती रहती हैं लेकिन केवल ज्ञान ही है जो स्थाई रहता हैं। आज इसी ज्ञान के आधार पर मशीने एआई जैसी तकनीक से संचालित हो रही हैं।एआई जैसी तकनीकों के बारे में आमजन को शिक्षित करने में मीडिया की अहम भूमिका है। यह बात एमसीयू में संचालित एआई एफडीपी के समापन सत्र पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और आईआईआईटी के निदेशक प्रोफेसर आशुतोष कुमार सिंह ने कही। श्री सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि एआई तकनीक सीखने वालों के लिए सर्वाधिक अवसर बनेंगे। उन्होंने कहा कि एआई और रोजगार के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि एआई से अनेकों रोजगार सृजित होंगे। इससे किसी को डरने की आवश्यकता नहीं है बल्कि इसे सीखकर नए अवसर बनाए जा सकते हैं। एमसीयू के कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी ने इस अवसर पर कहा कि मीडिया के न्यूजरूम में बहुत तेजी से बदलाव आ रहे हैं। आज जो टूल और टेक्नोलाजी वहां उपयोग हो रही है वह एक सप्ताह या उससे भी कम वक्त में बदल जी रही है। इसका मूल कारक एआई है। इसी विचार से पत्रकारिता विश्वविद्यालय के सिलेबस में एआई का समावेश किया गया है ताकि विद्यार्थी इसे सीखें। यह फैकल्डी डेवलपमेंट प्रोग्राम इस दिशा में एक शुरूआती कदम है जिसमें हमारे प्राध्यापकों ने दस दिन प्रशिक्षण लिया है। इसका लाभ हमारे विद्यार्थियों को मिलेगा। श्री तिवारी ने कहा कि विश्वविद्यायल प्रतिदिन एआई के क्षेत्र में हो रहे बदलावों के साथ अपने सिलेबस और शिक्षण-प्रशिक्षण को भी अपडेट करता रहेगा। इस अवसर पर तकनीक और भाषा प्रौद्योगिकी क्षेत्र के विशेषज्ञ बालेंदु शर्मा दाधीच ने काह कि भारत एआई की महाशक्ति बन सकता है। सरकार एआई को बढ़ावा दे रही है। हमें एआई के साथ आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि आज भारत में दुनिया की शीर्ष टेक कंपनियां निवेश कर रही हैं। हमारा डेमोक्रेटिक डिविडेंट बहुत अधिक है और हमारे यहां सबको साथ लेकर चलने की संस्कृति के चलते भारत की छवि विश्वसनीय है। उन्होंने कहा कि एआई किसी जैविक शक्ति से नहीं बल्कि एल्गारिद्म की शक्ति से संचालित होती है। श्री दाधीच ने अमेरिका, चीन और भारत में चल रहे एआई के क्षेत्र के विकास को विस्तार से रखा।एक तकनीकी सत्र में उन्होंने भारत में एआई स्टार्टअप्स और इकोसिस्टम पर भी विस्तार से अपनी बात रखते हुए कहा कि दुनिया का 20 प्रतिशत डाटा भारत में पैदा होता है और यहां टैलेंट पूल बहुत बड़ा है।

विश्व कल्याण महायज्ञ की तैयारियां जोरों पर, 20 जुलाई से मेड़र माई परिसर में गूंजेगी श्रीरामचरित कथा की अमृतधारा

अमन लेखनी समाचार

चोपन /सोनभद्र- विश्व शांति, मानव कल्याण और सनातन संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के पावन उद्देश्य को लेकर ग्राम पंचायत चोपन गाँव स्थित मेड़र माई मंदिर परिसर में आगामी 20 जुलाई से 27 जुलाई तक भव्य विश्व कल्याण महायज्ञ एवं श्रीरामचरित कथा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस दिव्य धार्मिक आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। कार्यक्रम स्थल पर आयोजन समिति के धमार्चार्य पहाड़ी बाबा शिव कुमार निषाद, नागेश्वर प्रसाद गौड़ एवं वरिष्ठजन सुनील सिंह, श्यामा चरण गिरी, सन्तोष साहनी, राजकुमार यादव, संदीप चौरसिया सहित अन्य श्रद्धालु व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए आयोजन को ऐतिहासिक एवं भव्य स्वरूप प्रदान करने में जुटे हुए हैं। आयोजन समिति ने बताया कि यह महायज्ञ केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि विश्व शांति, मानव कल्याण, सामाजिक समरसता और राष्ट्र के आध्यात्मिक उत्थान का एक महाअभियान है। वर्तमान समय में जब समाज अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है, ऐसे में यज्ञ, कथा और सत्संग के माध्यम से जनमानस में सकारात्मक ऊर्जा, सद्भाव, संस्कार और आध्यात्मिक चेतना का संचार करना इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य है। इस अवसर पर केन्द्र श्रीधाम वृन्दावन से पधार रहे विख्यात कथावाचक पूज्य दिलीप कृष्ण भारद्वाज महाराज जी अपनी ओजस्वी एवं भावपूर्ण वाणी से श्रीरामचरित कथा का रसपान कराएंगे। उनकी मधुर कथा श्रद्धालुओं को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्शों से जोड़ते हुए धर्म, भक्ति और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा प्रदान करेगी। कार्यक्रम का आयोजन 20 जुलाई से प्रारंभ होकर 27 जुलाई तक चलेगा, जिसका समापन विशाल भंडारे एवं महाप्रसाद वितरण के साथ किया जाएगा। आयोजन स्थल ग्राम पंचायत चोपन गाँव स्थित मेड़र माई मंदिर परिसर (अल्ट्राटेक पानी टंकी के समीप), जनपद सोनभद्र में निर्धारित किया गया है, जहां दूर-दराज से हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। आयोजन समिति द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। यज्ञ मंडप, कथा स्थल, भंडारा व्यवस्था, पेयजल एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए स्वयंसेवक दिन-रात सेवा भाव से जुटे हुए हैं। समिति ने जनपद सहित आसपास के सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से सपरिवार इस दिव्य आयोजन में सहभागी बनने का आग्रह किया है। सनातन परंपरा में यज्ञ को लोकमंगल का प्रतीक माना गया है। शास्त्रों में कहा गया है कि यज्ञ से वातावरण शुद्ध होता है, कथा से आत्मा का परिष्कार होता है और भंडारे से समाज में प्रेम, सेवा एवं समानता की भावना का विस्तार होता है। यही कारण है कि विश्व कल्याण महायज्ञ जैसे आयोजन केवल धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक जागरण और सांस्कृतिक एकता के जीवंत प्रतीक बनकर उभरते हैं। यज्ञ से होता है लोक कल्याण, कथा से मिलता है आत्मिक ज्ञान और भंडारे से बढ़ता है प्रेम व सद्भाव। विश्व शांति और मानव कल्याण के इस महापर्व में आपकी श्रद्धामयी उपस्थिति ही इसकी सबसे बड़ी सफलता होगी। आइए, सनातन संस्कृति की इस दिव्य ज्योति को जन-जन तक पहुंचाने के इस पुण्य अभियान में सहभागी बनें और धर्म, भक्ति एवं सेवा के माध्यम से लोकमंगल के संकल्प को साकार करें।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक–
श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक –
रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555,
9935457982

E-mail address
amanlekhaninews
@gmail.com

मेंढकी के बच्चे ने एक दिन आसमान में हवाई जहाज को उड़ते देखा। वह अपनी मां से हवाई जहाज में बैठने की जिद करने लगा। मेंढकी मां ने बहुत समझाया कि हवाई जहाज सिर्फ इंसानों के बैठने के लिए होता है, लेकिन बच्चे ने हवाई जहाज में बैठने की रट लगाए रखी। आखिर मेंढकी मां ने बच्चे की जिद पूरी की, बहुत ही मजेदार ढंग से।

मेंढकी के बच्चे ने की हवाई जहाज की सैर!

गुजराती कहानी

पुष्पा अंताणी

एक मेंढकी थी। उसका एक बच्चा था। मेंढकी और उसका बच्चा एक तालाब के किनारे रहते थे। बरसात के दिन आ गए थे, इसलिए मेंढकी को बहुत काम करने पड़ते थे। बच्चा अपनी मम्मी के इर्द-गिर्द खेला करता था। बच्चा बड़ा शैतान था। सारा दिन यहां-वहां नाचता-कूदता रहता था। वह जिद्दी भी बहुत था। कोई भी बात उसके मन में बैठ जाती तो वह उस बात को मनवा कर ही छोड़ता था।

एक दिन बच्चा तालाब किनारे खेल रहा था। तभी उसने अजीब-सी आवाज सुनी। आवाज आकाश से आ रही थी। बच्चे ने ऊपर आकाश की ओर देखा, एक हवाई जहाज उड़ रहा था।

बच्चे ने अपनी मम्मी से पूछा, 'मां... मां... वह ऊपर क्या उड़ रहा है?'

मेंढकी मम्मी ने बताया, 'वह तो हवाई जहाज है।'

बच्चा बोला, 'मां, मुझे हवाई जहाज में बैठना है।'

मेंढकी मम्मी बोली, 'तुम पागल हो गए हो क्या? हवाई जहाज में तो इंसान बैठते हैं, हम नहीं बैठ सकते।'

बच्चे ने जिद पकड़ ली, 'हम क्यों नहीं बैठ सकते? मुझे तो हवाई जहाज में बैठना ही है।' यह कहते हुए वह जोर-जोर से रोने लगा। मां ने उसे बहुत समझाया, पर वह तो रोते ही जा रहा था। कुछ भी करो, शांत ही नहीं हो रहा था।

मेंढकी सोचने लगी कि अब वह क्या करे?

तभी एक बकरी वहां से गुजरी। मेंढकी ने बकरी से कहा, 'बकरी बहन... बकरी बहन... मेरे बच्चे को हवाई जहाज में बैठना है।'

उसकी बात सुनकर बकरी जोर से हंस पड़ी, बोली, 'तुम्हारे बच्चे में अक्ल नहीं है, वह हवाई जहाज में थोड़े ही बैठ सकता है।'

इतना कहकर बकरी वहां से चली गई।

बच्चा रोते ही जा रहा था। मेंढकी ने दूर से एक गाय को आते हुए देखा। वह कूदती हुई गाय के पास गई और बोली, 'गाय मौसी... गाय मौसी... मेरे बच्चे को हवाई जहाज में बैठना है।'

गाय को पहले तो बात समझ में ही नहीं आई। बाद में जब समझ में आया कि मेंढकी क्या कह रही है, तो वह 'भां... भां...' करते हुए जोरों से हंस पड़ी।

गाय बोली, 'तू पागल, तेरा बच्चा भी पागल। तेरा बच्चा हवाई जहाज में कैसे बैठ सकता है?'

इतना कहकर गाय भी वहां से चली गई।

एक घोड़ा घास खा रहा था। मेंढकी ने घोड़े को भी यही बात बताई। यह सुनकर घोड़ा मेंढकी पर गुस्सा हो गया। वह बोला, 'दुबारा ऐसी फिजूल की बात मेरे सामने मत करना। तेरा बच्चा हवाई जहाज में नहीं बैठ सकता।'

तालाब किनारे एक पेड़ पर बंदर रहता था। मेंढकी ने बंदर से भी विनती की, 'बंदर भैया, मेरा बच्चा सुबह से रोए जा रहा है। उसे हवाई जहाज में बैठना है। आप मेरी मदद करो ना।'

मेंढकी मम्मी की बात सुनकर बंदर हंसते-हंसते पागल हो गया। वह इतना हंसा कि जवाब भी नहीं दे पाया।

मेंढकी मम्मी हताश हो गई। सोचने लगी कि अब वह क्या करे? बच्चा किसी भी तरह मान नहीं रहा था। वह अधिक जोर से रोने लगा था। मेंढकी मम्मी को चिंता हुई कि बच्चा इतना रोएगा तो कहीं कुछ बुरा न हो जाए। वह भी रोने लगी।

तभी उसे 'गूंन... गूंन... गूंन' जैसी आवाज सुनाई दी। यह आवाज सुनकर बच्चा भी शांत हो गया। मेंढकी ने देखा तो एक भंवरा उड़ता हुआ आ रहा था। मेंढकी ने उसे रोका, 'भंवरा, भंवरा, मेरी बात सुन।'

भंवरा रुक गया, उसने पूछा, 'क्या बात है?'

'देख, मेरे बच्चे को हवाई जहाज में बैठना है। मैं उसे हवाई जहाज में कैसे बिठा सकती हूं? अगर तू मेरी मदद करे तो यह काम हो सकता है।' मेंढकी ने भंवरे से आग्रह किया।

भंवरा बोला, 'मैं तेरी क्या मदद कर सकता हूं?'

मेंढकी मम्मी ने कहा, 'भंवरे, तू ही उसका हवाई जहाज बन जा। अगर तू मेरे बच्चे को अपने ऊपर बिठा कर उड़ता हुआ थोड़ी दूर तक घुमा ले आएगा तो उसे लगेगा कि वह हवाई जहाज में बैठकर आया है।'

पहले तो भंवरे ने मेंढकी की बात हंसी में उड़ा दी, पर जब मेंढकी ने बहुत विनती की तब वह बोला, 'ठीक है, मैं तेरे बच्चे का हवाई जहाज बनकर घुमा लाऊंगा, पर उसके बदले में तुझे भी मेरा एक काम करना होगा।'

मेंढकी मम्मी बोली, 'तू जो बोलेगा वह सब मैं करूंगी।'

भंवरे ने कहा, 'सुन, अब बारिश के दिन आ गए हैं। इस मौसम में मैं पूरा दिन 'गूंन गूंन गूंन' की आवाज करता हुआ उड़ता रहता हूं, पर जब रात होती है तो मुझे बहुत डर लगता है। चारों ओर इतना सन्नाटा होता है कि मुझे डर लगता है। इसलिए जब बारिश हो, तब तू पूरी रात जाग कर आवाज करते रहना। तेरी आवाज सुनकर मुझे डर नहीं लगेगा। बोल, अगर मेरी यह बात तुझे मंजूर है तो मैं तेरे बच्चे का हवाई जहाज बनने के लिए तैयार हूं।'

मेंढकी मम्मी हंसते हुए बोली, 'बस, इतनी सी बात! तेरी शर्त मुझे मंजूर है।'

भंवरे ने कहा, 'तब तो मैं भी तेरे बच्चे का हवाई जहाज बनने के लिए तैयार हूं।'

मेंढकी मम्मी ने अपने बच्चे को भंवरे की पीठ पर बिठा

दिया और भंवरा हवाई जहाज की तरह हवा में उड़ने लगा। कभी दाएं तो कभी बाएं, कभी ऊपर तो कभी नीचे। भंवरा हवाई जहाज की तरह 'गूंन गूंन गून' आवाज भी कर रहा था। मेंढकी के बच्चे को बहुत मजा आ रहा था। भंवरे ने बहुत सारे चक्कर लगाने के बाद बच्चे को नीचे उतारा।

'मां... मां... मुझे हवाई जहाज में बहुत मजा आया।' ऐसा कहते हुए वह अपनी मां से लिपट गया।

'भंवरा अंकल, थैंक्यू!' बच्चे ने भंवरे से कहा।

भंवरे ने मेंढकी से कहा, 'हमारी बात याद है ना? अब तू भी मेरा काम करने के लिए तैयार हो जा।'

उसी दिन बहुत बारिश हुई। रात में मेंढकी बारिश में पूरी रात 'ड्रांव-ड्रांव' बोलती रही। आगे भी वह रात में बारिश होने पर 'ड्रांव-ड्रांव' करती ताकि भंवरा डरे नहीं। दोनों बहुत अच्छे दोस्त हो गए। मेंढकी का बच्चा अकसर भंवरे की पीठ पर बैठकर हवाई जहाज की सैर का मजा लेता। *

अनुवादः सेतु अंताणी

कविता / अखिलेश श्रीवास्तव चमन

काले बादल

बन सैलानी,
ले कर पानी,
फिर आए हैं काले बादल।
रौब जमाते,
शोर मचाते
घिर आए हैं काले बादल।
हाथापाई,
चोर सिपाही
खेल कर रहे काले बादल।

साथ मिला कर
गले लगा कर
मेल कर रहे काले बादल।
हवा ने डांटा,
मारा चांटा
लौटे रो कर काले बादल।
घर-आंगन को,
वन-उपवन को
गए भीगो कर काले बादल।

हंसगुल्ले

टिकू (रिकू से): तुम्हारी बेतुकी बातों से मेरा दिमाग खराब हो गया है। मैं तुम्हारे घर आ रहा हूं।

रिकू: अरे! तब तुम मेरे घर नहीं, मेरे मामा जी के घर जाओ।

टिकू: क्यों?

रिकू: क्योंकि वो दिमाग के डॉक्टर हैं।

- संगीता, बिलासपुर

रोहन: क्या जुबान के भी पैर होते हैं?

सोहन: नहीं।

रोहन: फिर मम्मी क्यों कहती है कि तेरी जुबान दिन भर चलती रहती है?

- उमेश, जबलपुर

डॉक्टर: मिक्की, इस दवाई को दिन में चार चम्मच लेना।

मिक्की: फिर तो मैं यह दवा नहीं पी पाऊंगी।

डॉक्टर: वो क्यों?

मिक्की: मेरे घर में तो सिर्फ दो चम्मच ही हैं।

- कविता, दुर्ग

एडवाइस

डॉ. मोनिका शर्मा

बच्चो, स्कूल खुल चुके हैं। नए सेशन की शुरुआत हो चुकी है। धीरे-धीरे तुम्हारी पढ़ाई भी रफ्तार पकड़ने लगेगी। अपने आपसे प्रॉमिस करो कि इस वर्ष पढ़ाई के साथ ही तुम्हें अपने कम्युनिकेशन को भी सुधारना है। क्लासरूम हो या घर, अच्छे से कम्युनिकेट करना सीखो। इसे अपनी आदत बनाओ। छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देकर अपने कम्युनिकेशन को बेहतर बनाया जा सकता है। खुद को प्रभावी ढंग से एक्सप्रेस करने का अंदाज पढ़ाई, स्कूल के प्रोजेक्ट प्रेजेंटेशन और पर्सनल इंप्रूवमेंट तक हर क्षेत्र में काम आता है।

समझो प्रभावी कम्युनिकेशनः टीचर, रिलेटिव्स या तुम्हारे फ्रेंड्स के भैया-दीदी या दूसरे कुछ लोगों से बातचीत करना अच्छा लगता है ना! उनका बातचीत का अंदाज इतना इंप्रेसिव होता है कि तुम मन से उनकी बातें सुनते हो। उनकी कही बातों को अच्छे से समझ पाते हो। असल में किसी इंसान द्वारा अपने विचारों और जानकारियों को स्पष्टता और सही ढंग से समझा पाना ही प्रभावी कम्युनिकेशन का सबसे अहम पहलू है। अच्छे से कम्युनिकेट करना केवल बोलना नहीं होता। यह सही ढंग से बातचीत करने का सधा हुआ तरीका होता है।

प्रभावी कम्युनिकेशन के फायदेः अगर तुम अच्छे से संवाद करोगे, सही ढंग से अपनी बात रखोगे, तो यह स्कूल के कार्यक्रम में भागीदारी से लेकर सहज जीवन में भी तुम्हें काम आएगा। कम्युनिकेशन स्किल अच्छी होगी तो तुम मम्मी-पापा को अपनी उलझन, कुछ नया सीखने की योजना या अपने

बच्चो, पढ़ाई में अच्छे होने के साथ तुम्हारा कम्युनिकेशन स्किल भी बेहतर होना चाहिए। सही ढंग से बोलना, किसी की बात को ध्यान से सुनना और प्रभावी हाव-भाव रखना, तुम्हें हर जगह कॉन्फिडेंस के साथ आगे बढ़ने में मदद करेगा। बच्चो, छोटी- छोटी बातें ध्यान में रखकर तुम अपना कम्युनिकेशन स्किल इंप्रेसिव बना सकते हो।

बनो अच्छे कम्युनिकेटर जीतो सबका दिल

एक्सपेक्टेशंस भी अच्छे से बता पाओगे। ऐसे में पैरेंट्स के लिए भी तुम्हारे दिल की बात समझना आसान होगा। साथ ही तुम्हारे दिमाग की किसी उलझन को भी घर के बड़े बिना किसी गलतफहमी के सही ढंग से जान पाएंगे।

कम्युनिकेशन में हाव-भाव की भूमिकाः अच्छे कम्युनिकेशन के लिए जरूरी है कि अपने हाव-भाव को समझो। कई बार हमारे शब्द और बॉडी लैंग्वेज अलग-अलग होते हैं। इस स्थिति में कही गई बात सही तरीके और सही मीनिंग के साथ सामने वाले इंसान तक नहीं पहुंचती। कई बार कम्युनिकेशन की प्रक्रिया में 50 प्रतिशत से अधिक तो बॉडी लैंग्वेज की ही भूमिका होती है। बातचीत के दौरान अगर आइ-कॉन्टेक्ट, बॉडी पोश्चर और आवाज का टोन शब्दों से मेल नहीं खाता तो सुनने वाले को प्रभावित नहीं किया जा सकता। तुम्हारे ही हाव-भाव कंफ्यूजिंग होंगे तो सामने बैठे लोगों तक पहुंचते-पहुंचते शब्दों का अर्थ ही अलग हो जाएगा। सोचो, कोई व्यक्ति हैप्पी रहने की बात समझाते हुए सीरियस रहे तो कितना अजीब लगेगा ना। बच्चो, सही ढंग से और प्रभावी हाव-भाव के साथ बात करने वाले सबका दिल जीतते हैं।

माइंडफुल लिसनिंग है जरूरीः प्रभावी कम्युनिकेशन का मतलब अपनी बात कहना भर नहीं होता। जैसे अपने बड़ों से बात करते हुए ही नहीं, छोटे भाई-बहनों, फ्रेंड्स या क्लासमेट्स से बातचीत करते हुए भी सही रेस्पॉन्स देना जरूरी है। सामने वाले की बात को बीच में काटे बिना हाव-भाव से यह बताना आवश्यक है कि तुम उनकी बात समझ रहे हो। इसके लिए माइंडफुल लिसनिंग सबसे ज्यादा जरूरी है। साथ ही सामने वाले की बात सुनने के बाद थोड़ा सोचकर बोलने के लिए भी पहले उसे सही ढंग से सुना जाना जरूरी है। क्लास में टीचर्स के सवालों का जवाब देना हो या किसी कार्यक्रम में भागीदारी करना। हर समय पहले कही जा रही बात, प्रश्न या सलाह को ठीक से सुनने की आदत बनाओ। अच्छे से सुनना अपने कम्युनिकेशन को बेहतर बनाने का बेहद जरूरी पहलू है। इस पर हमें जरूर ध्यान देना चाहिए। *

ऐसे सुधारो अपने हाव-भाव

तुम खुद को बोलते हुए मिरर में देखकर और दूसरे लोगों को बोलते हुए ध्यान से देख-सुनकर सही हाव-भाव सीखने की कोशिश कर सकते हो। इसके लिए मम्मी-पापा से अपना वीडियो बनवाकर भी प्रैक्टिस कर सकते हो। इस मामले में बड़ों का फीडबैक बहुत हेल्प करता है। उनकी सलाह लेकर तुम भी अपनी कमियां सुधार सकते हो। बच्चो, किसी खास अवसर पर ही नहीं, आम जीवन में भी सही एक्सप्रेशन के साथ किया गया संवाद बहुत प्रभावी होता है।

तुम्हारे लिए नई किताब / सुरेंद्र विक्रम

जानो पिनकोड की कहानी

बच्चो, तुमने देखा होगा कि पत्र में जहां पर पता लिखा होता है, उसके अंत में छह अंकों की एक संख्या लिखी होती है, इसे पिनकोड कहते हैं- पोस्टल इंडेक्स नंबर। यह अलग-अलग छह अंकों का नंबर, डाक विभाग की पहचान से जुड़ा होता है। डॉ. विमला भंडारी लिखित किताब 'छह अंकों का जादू' (पिनकोड की कहानी) में पिन कोड के बारे में बहुत ही रोचक ढंग से एक कहानी के रूप में जानकारी दी गई है।

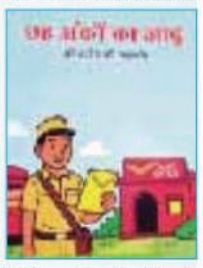

सुनीता के हाथ में एक कागज का टुकड़ा देखकर उसकी दोस्त वनिता पूछती है कि यह चिट्ठी बिना रास्ता पूछे घर कैसे पहुंच गई? यह जानने के लिए दोनों दोस्त डाकघर जाती हैं, जहां उन्हें पिनकोड के बारे में जानकारी मिलती है। घर पहुंचकर सुनीता अपने पिताजी से जब पिनकोड के बारे में पूछती है तो वह और विस्तार से बहुत सरल तरीके से बताते हैं कि पिनकोड का पहला, दूसरा, तीसरा और आखिरी के तीन अंकों की सहायता से कैसे अमुक व्यक्ति तक उसका पत्र पहुंच जाता है। इस तरह पत्र के पते में पिनकोड लिखा होने से चिट्ठियां गुम नहीं होतीं। अब तो ऑनलाइन ऑर्डर में भी पिनकोड लिखना जरूरी होता है। किताब में यह भी जानकारी दी गई है कि पिनकोड की खोज श्रीराम भिक्षु चक्रवर्ती ने की थी। पुस्तक में पिनकोड पर लिखी ये पंक्तियां भी मजेदार हैं- 'छह अंकों का पिन है प्यारों/रास्ता दिखलाए सही-सही।/डाक-संदेश पहुंचा दे यारों/चिट्ठी-पार्सल को गली-गली।' *

किताब : छह अंकों का जादू (पिनकोड की कहानी), लेखिकाः डॉ. विमला भंडारी, मूल्यः 135 रुपए, प्रकाशकः द बिट्स, जयपुर (राजस्थान)

जीके क्विज-214

1. भारत के 98 वें शतरंज ग्रैंड मास्टर कौन बन गए हैं?
2. पृथ्वी अपने अक्ष पर कितने डिग्री झुकी हुई है?
3. किस देश की टीम ने महिला टी-20 क्रिकेट वर्ल्ड कप जीता?
4. देश के वर्तमान सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री कौन हैं?
5. जल का रासायनिक सूत्र क्या है?
6. गौतम बुद्ध का जन्म कहां हुआ था?
7. मानव शरीर की सबसे बड़ी अस्थि (बोन) का नाम क्या है?
8. भारत का राष्ट्रीय जलीय जीव क्या है?
9. हाल में ही किस युद्धपोत को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया?
10. 'सत्यमेव जयते' का आदर्श वाक्य किस उपनिषद से लिया गया है?

बच्चो, जीके क्विज-214 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे।

जीके क्विज-213 का उत्तर : 1 इंडोनेशिया, 2.आशुतोष दीक्षित, 3.हर्षवर्धन जीबी, 4.इंग्लैंड, 5.कलिंग युद्ध, 6.उपराष्ट्रपति, 7.हीमोग्लोबिन, 8.नाइट्रस ऑक्साइड, 9.करमचंद गांधी, 10.विटामिन-ए

जीके क्विज-213 का सही उत्तर देने वाले : दीक्षिता-बादली, सचिन-बिलासपुर, कोमल-गरियाबंद, तुषार-सारंगढ़ बिलाईगढ़, सूरज-रायगढ़, सपना-खैरागढ़, अजय-रायपुर, रोहन-बालोद, कबीर-हिसार, कुणाल-बलौदा बाजार, रिया-दुर्ग

रंग भरो-206

रंग भरो-206 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

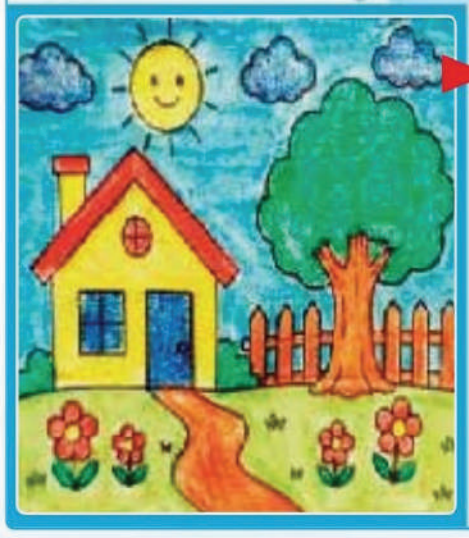

अगमजोत, कोंडागांव

आशुतोष, उमरिया

ईशानी, बिलासपुर

दिव्या, बिलासपुर

प्रत्यूष, कोरबा

यावना, गरियाबंद

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

कृष्ण-रायपुर, आशना-जांजगीर, कविता-रायपुर, हर्ष-रोहतक, लोकेश-जबलपुर, नीरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवनी, सपत-जांजगीर, सरल-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-चुना, रोहित-करनाल, विकास-बिलासपुर, रचना-कोरबा

रंग भरो 207

बच्चो, यहां दिए गए क्यूट-से ब्लैक एंड व्हाइट चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक-फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।